11 मार्च 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

नीतीश अब दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे, जनता उनके राज से ऊब चुकी है: पीके

2

बिहार की सबसे बड़ी लूट: छह की संख्या में आए अपराधियों ने गोपाली चौक स्थित शोरूम में दिया घटना को अंजाम

आरा के तनिष्क शोरूम में दिनदहाड़े 25 करोड़ की लूट

- महज 20 मिनट के अंदर अपराधियों ने 25 करोड़ रुपए से अधिक के जेवरात लूट कर भाग निकले
- भाग रहे अपराधियों के साथ हुई मुठभेड़ में पुलिस ने दो को मारी गोली, शोरूम से लूटे गए दो बड़े झोलों में रखे गए जेवरात बरामद

केटी न्यूज/आरा

बिहार के आरा में बेखौफ अपराधियो ने दिनदहाड़े तनिष्क शो रुम में लूट की बड़ी घटना को अंजाम दिया है। आरा बाजार के गोपाली चौक स्थित तनिष्क शो रूम में धड़धड़ाते घुसे बदमाशों ने शोरूम के कर्मचारियों को बंधक बनाकर महज 20 मिनट में ही 25 करोड़ से अधिक के जेवर लूट लिए। बदमाश इतने बेखौफ थे कि किसी ने भी ना तो अपना चेहरा छुपाने की कोशिश की और ना ही इस वारदात के दौरान किसी से डरे। बल्कि वारदात के बाद खूब आराम से बाहर निकले और बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने बताया कि डकैतों की संख्या करीब आठ थी। पुलिस ने शोरूम से सीसीटीवी को कब्जे में लिया है। इसमें 20 मिनट तक बदमाश शोरूम के अंदर नजर आ रहे हैं और इतने ही समय में 25 करोड़ से अधिक के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने पूरे शहर की नाकेबंदी कर दी।

घटना के बाद भोजपुर एसपी श्री राज ने जिले से सभी थाना अध्यक्षों को सघन वाहन चेकिंग शुरू करने को कहा और अपराधियों की पहचान के लिए जिले के व्हाट्सएप ग्रुप पर सीसीटीवी फुटेज से प्राप्त फोटोग्राफ्स भी डाले। सूचना के बाद में बड़हरा थाना अध्यक्ष अपने बल के साथ बबुरा छोटी पुल पर चेकिंग कर रहे थे। इसी बीच, तीन मोटरसाइकिलों पर सवार छह संदिग्ध बाइक सवार तेजी से आरा-बबूरा से डोरीगंज की ओर जाते हुए दिखाई दिए। उन्हें रोकने का इशारा किया गया, लेकिन वे और तेजी से डोरीगंज की तरफ भागने लगे। बड़हरा थाना की गश्ती गाड़ी द्वारा उन्हें घेरकर रोकने का प्रयास किया गया, तो एक बाइक गश्ती गाड़ी से टकराते हुए भागने का प्रयास करने लगी। कुछ दूरी तक पीछा करने के बाद अपराधी बाइक छोड़कर बबुरा बिंदगामा बधार की ओर भागे और पुलिस पर पिस्टल से फायरिंग करने लगे जिसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें भाग रहे दो अपराधियों के पैर में गोली लगी। फिलहाल, उनका इलाज चल रहा है। इस घटना में दो अभियुक्त दिघवारा, सारण निवासी भुवनेश्वर प्रसाद का बेटा विशाल गुप्ता और सेमरा, सोनपुर निवासी प्रदीप राय का बेटा कुणाल कुमार के साथ दो पिस्टल, 10 कारतूस, तनिष्क शोरूम से लूटे गए जेवरात जो दो बड़े झोलों में रखे गए थे और एक पल्सर मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। इस कांड में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर छापेमारी की जा रही है।

बदमाश इतने बेखौफ थे कि किसी ने न तो अपना चेहरा छुपाया था न ही वारदात के दौरान किसी से डरे

सुबह जैसे ही शोरूम खुला तभी ग्राहक बनकर घुसे दो अपराधी

पुलिस के मुताबिक सुबह जैसे ही तनिष्क शोरूम खुला, तभी ग्राहक के रूप में 2 बदमाश अंदर घुस आए। इन बदमाशों ने अंदर घुसते ही वहां मौजूद सुरक्षा गार्ड को तमंचे के दम पर बंधक बना लिया। इतने में तीन और बदमाश अंदर घुस आए। इन बदमाशों ने शोरूम में मौजूद सेल्समैन एवं अन्य कर्मचारियों को तमंचे की दम पर बंधक बनाकर एक जगह खड़ा कर दिया। इसके बाद बाकी बदमाशों ने शोरूम में मौजूद जेवर समेटने शुरू कर दिए। इस दौरान बदमाशों ने कीमती जेवर का पता नहीं बताने पर तमंचे के बट से एक सेल्समैन पर हमला भी किया है।

घटना के बाद बाइक पर सवार हो अलग अलग दिशा में भागे बदमाश

वारदात के बाद बदमाश बड़े आराम से बाहर निकले और बाइक पर सवार होकर अलग अलग दिशा में भाग गए। हालांकि पुलिस सूत्रों ने दावा किया कि आगे जाकर यह दोनों बदमाश छपरा की ओर भागे हैं। तनिष्क के स्टोर मैनेजर कुमार मृत्युंजय ने बताया कि करीब 50 करोड़ के हीरे और सोने के जेवरात थे। इसमें छह के संख्या में आए हथियारबंद बदमाशों ने करीब 25 करोड़ से ज्यादा के हीरे, सोने के बेशकीमती जेवर आदि लूट ले गए हैं। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने यह वारदात उस समय अंजाम दिया, जब स्टोर में महिला एवं पुरुष मिलाकर कुल 25 से ज्यादा स्टाफ मौजूद था।

पुलिस को 25-30 बार कॉल करने पर भी नहीं मिली मदद

इस बड़ी वारदात का वीडियो शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि बदमाश दो-दो के ग्रुप में शोरूम में घुसे और अंदर जाते ही हथियार निकालकर सभी को धमकाया। उन्होंने स्टाफ को बंधक बना लिया और शोरूम में रखे सोने, चांदी और हीरे के गहनों को बैग में भरकर फरार हो गए। शोरूम की सेल्स गर्ल सिमरन ने बताया कि लूट की आशंका होते ही उन्होंने डायल 112 पर फोन किया। लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही बदमाश वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए थे। बताया कि मदद के लिए उन्होंने पुलिस को 25-30 बार फोन किया, लेकिन पुलिस की ओर से कोई मदद नहीं मिली।

माथे पर हथियार भिड़ाकर सभी स्टाफ का ले लिया फोन

तनिष्क के स्टोर मैनेजर कुमार मृत्युंजय ने बताया कि आरा तनिष्क स्टोर में करीब 50 करोड़ के हीरे,सोने के जेवरात थी। जिसमें छह-सात की संख्या में हथियारबंद अपराधियों ने करीब 25 करोड़ से ज्यादा के हीरे, सोने के बेशकीमती जेवरात लूटकर भागे हैं। हमारे स्टोर में महिला एवं पुरुष कुल 25 से ज्यादा स्टॉप मौजूद थे। 10:15 बजे सुबह हथियारबंद अपराधी शॉप में घुसे और सभी स्टाप को बंधक बनाकर ऊपरझनीचे लुट के घटना को अंजाम दिया गया है। कम मात्रा में हीरे और अधिक मात्रा में सोने की लूट हुई है। हमारे स्टाफ ने समय रहते पुलिस को इनफॉर्म किया गया लेकिन 112 की पुलिस एवं स्थानीय थाना पुलिस ने कोई रिप्लाई नहीं दिया गया। सेल्सगर्ल सिमरन ने बताया जैसे ही अपराधी गार्ड को धक्का देकर अंदर पहुंचे। मैंने पुलिस को 20 से 25 बार कॉल किया, लेकिन तुरंत एक्शन नहीं लिया गया। सिर्फ कहा जा रहा था कि गाड़ी पहुंच रही है। सभी अपराधियों के पास दो-दो हथियार थे। अंदर आते ही सभी स्टाफ का फोन लेकर माथे पर हथियार भिड़ा दिया। इसके बाद काउंटर के सारे गहने लेकर फरार हो गए। सिमरन ने बताया कि सभी अपराधी बहुत ही ट्रेंड लग रहे थे। वो लोग एकदम युवा थे। सभी बदमाशों की उम्र 20 से 25 के अंदर की ही होगी। इन लोगों ने बिल्कुल फिल्मी अंदाज में हम सभी स्टाफ को एक जगह लाइन से खड़ा कर दिया और बारी-बारी से दो फ्लोर पर लूटपाट की।

वैशाली जिले के कुख्यात प्रिंस गैंग ने दिया है घटना को अंजाम: एसपी

घटना के बाद भोजपुर एसपी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। एसपी श्री राज ने बताया कि इस वारदात में शामिल अपराधियों की पहचान की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। एसपी ने बताया कि लूटकांड में वैशाली जिले के कुख्यात प्रिंस गैंग का हाथ है। जिन दो अपराधियों को मुठभेड़ में गोली लगी है। इन पर बिहार और बंगाल में चार से अधिक आपराधिक मामले सामने आए हैं। इसमें ये जेल भी जा चुके हैं। हाल ही में बंगाल के वर्द्धमान जेल से छूटकर आए हैं। पुलिस अन्य अपराधियों की धर-पकड़ के लिए छापेमारी अभियान चला रही है। जल्द ही अन्य अपराधियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। हालांकि शोरूम से महज 600 मीटर दूर स्थित नगर थाना की पुलिस लूट के दौरान मौके पर नहीं पहुंच पाई, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सुरक्षा गार्ड बोला... शोरूम के बाहर नहीं लगाया था बाइक

तनिष्क शोरूम के सुरक्षा गार्ड ने कहा कि अपराधियों ने बाइक इधर नहीं लगाया था। वो पैदल ही आए। हमारे लिए नियम है कि जो ग्राहक आते हैं तो उनको अंदर लेना है। दो-दो लोग अंदर आए और अंत में जो शख्स आए उन्होने मेरा कॉलर पकड़ लिया। मेरी गर्दन पर पिस्टल तान दिया गया। सभी के पास हथियार था। सभी का चेहरा खुला था और सिर्फ एक के चेहरे पर मास्क था। अपराधी काफी माल लूट कर ले गए हैं। मेरा हथियार भी ले गए।

पूर्णिया के तनिष्क शोरूम में भी हुई थी करोड़ों की लूट

इससे पहले 26 जुलाई 2024 को पूर्णिया के तनिष्क शोरूम में हुई बड़ी लूट ने भी राज्यभर में खलबली मचा दी थी। घटना दिन के करीब 12 बजे हुई थी, जब चार से छह की संख्या में अपराधी शोरूम में घुसे और हथियार के बल पर करोड़ों के जेवरात लूट लिए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भागने के दौरान एक अपराधी की बाइक असंतुलित होकर गिर गई, लेकिन वह तुरंत संभलकर फरार हो गया। उसकी पिस्तौल भी सड़क पर गिर गई, जिसे एक ई-रिक्शा चालक मौके से उठाकर ले भागा।

आवश्यक सूचना

बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 का आयोजन होली बाद

डुमरांव। केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप की ओर से 11 मार्च को आयोजित होनेवाले बिहार पुलिस सम्मान समारोह-2025 को आरा के तनिष्क शोरूम में हुई लूट की बड़ी वारदात के कारण स्थगित कर दिया गया है। समारोह का आयोजन अब होली के बाद किया जाएगा। केशव टाइम्स न्यूज ग्रुप इसके लिए खेद व्यक्त करता है। समारोह की तिथि की सूचना जल्द जारी की जाएगी। ज्ञात हो कि इस कार्यक्रम में बक्सर जिला में बेहतरीन और कर्तव्यनिष्ठ कार्य करने वाले बिहार पुलिस के जांबाज पुलिस अधिकारियों व जवानों को सम्मानित करने की पहल की गई है।

भीषण सड़क हादसा... एमपी के सीधी में 8 और उप्र के बस्ती में 5 लोगों की मौत

एजेंसी/सीधी/बस्ती

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में रविवार देर रात ट्रक और एसयूवी के बीच हुई भीषण टक्कर में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। हादसा देर रात करीब 2:30 बजे हुआ। तूफान वाहन में लगभग 22 लोग सवार थे, सभी मैहर शारदा देवी मंदिर में मुंडन कराने जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया। पुलिस उपाधीक्षक गायत्री तिवारी ने बताया कि यह घटना सीधी-बहरी रोड पर उपनी पेट्रोल पंप के पास देर रात करीब 2.30 बजे हुई। उन्होंने बताया कि एसयूवी मैहर की ओर जा रही थी जबकि ट्रक सीधी से बहरी की ओर जा रहा था, तभी दोनों वाहनों की आमने सामने की टक्कर हुई। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में एसयूवी में सवार आठ लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य लोग घायल हो गए। नौ घायलों को इलाज के लिए रीवा रेफर किया गया है।

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के नगर थाना क्षेत्र के एनएच 27 पर कंटेनर और कार की भीषण टक्कर में 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही कार सवार 5 लोगों की मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चला कर कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। कार के दरवाजों को तोड़कर 8 लोगों को कार से रेस्क्यू किया गया। इसमें से 5 लोगों मौत हो चुकी थी। 3 लोग गंभीर थे। बता दें GJ 17 BH 3923 नंबर की कार अयोध्या से गोरखपुर की तरफ जा रही थी। उसी दौरान नगर थाना के गेटवा बाजार के पास कंटेनर RJ 18 GB 5710 जो बस्ती से अयोध्या की तरफ जा रहा था। तेज रफ्तार कंटेनर ने अचानक लेन बदल ली। इसकी वजह से कंटेनर और कार में भीषण टक्कर हो गई।

बम की धमकी के बाद बीच रास्ते से वापस लौटी एयर इंडिया की फ्लाइट

मुंबई। मुंबई से न्यूयॉर्क जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट को सोमवार सुबह अचानक बीच रास्ते से वापस मुंबई भेज दिया गया। विमान में 320 से अधिक यात्री सवार थे, जिन्हें सुरक्षित रूप से मुंबई एयरपोर्ट पर उतार दिया गया। सुरक्षा एजेंसियां अब विमान की गहन जांच कर रही हैं, ताकि किसी भी तरह के संभावित खतरे का आकलन किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, उड़ान के दौरान विमान के टॉयलेट में एक संदिग्ध नोट मिला, जिसमें बम की धमकी का जिक्र था। इस सूचना के मिलते ही क्रू मेंबर्स ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचित किया, जिसके बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को वापस मुंबई लौटने का निर्देश दिया गया।

काशी में रंगभरी एकादशी के अवसर पर मसाने की होली का हुआ भव्य आयोजन

नागा साधु, अघोरी और तांत्रिकों ने चिता भस्म से खेली होली

एजेंसी/वाराणसी

बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में रंगभरी एकादशी के अवसर पर सोमवार को मसाने की होली का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें नागा साधु, अघोरी और तांत्रिकों ने महाश्मशान में जलती चिताओं के साथ चिता भस्म से होली खेली। सामाजिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था काशी मोक्षदायिनी सेवा समिति के तत्वावधान में निकाली गई बाबा मसान नाथ की शोभायात्रा ने काशी के घाटों पर भव्यता बढ़ा दी। शोभायात्रा रवींद्रपुरी स्थित बाबा कीनाराम आश्रम से प्रारंभ होकर आईपी विजया, भेलूपुर, सोनारपुरा होते हुए हरिश्चंद्र घाट पर संपन्न हुई। कार्यक्रम के आयोजक और राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन चौधरी ने बताया कि इस बार की शोभायात्रा में बाबा की झांकी, डमरू दल, बैंड-बाजा के साथ सैकड़ों साधु-संत और श्रद्धालु शामिल हुए। जैसे ही शोभायात्रा घाट पर पहुंची, वहां बाबा की भव्य आरती की गई।

इस आयोजन में नागा साधुओं और अघोरियों ने चिता भस्म से होली खेलकर शिव तांडव प्रस्तुत किया। इस बार आयोजन के लिए पहले से ही 5 कुंतल चिता भस्म मंगवा ली गई थी, जिससे घाट पर पहुंचे सन्यासियों ने एक-दूसरे को भस्म और गुलाल लगाया। डोम राजा ने बताया कि हरिश्चंद्र घाट और मणिकर्णिका घाट पर हर वर्ष यह आयोजन किया जाता है, जहां सैकड़ों नागा साधु, विरक्त संत और श्रद्धालु चिता भस्म की होली में भाग लेते हैं। आयोजन में ऊख का प्रयोग नहीं किया गया, लेकिन पारंपरिक बनारसी नगाड़ों की धुन पर नागा साधुओं और सन्यासियों का तांडव देखने को मिला। यह नजारा काशी के महाश्मशान हरिश्चंद्र घाट पर और भी भव्य लग रहा था।

काशी में मनाई जाने वाली यह मसाने की होली विश्व में अपनी तरह का अनोखा आयोजन है, जो शिव और मृत्यु के महात्म्य को दशार्ता है। बाबा विश्वनाथ की नगरी में यह रंगभरी एकादशी का पावन पर्व श्रद्धालुओं के लिए आस्था, भक्ति और उत्साह का संगम बना रहा।

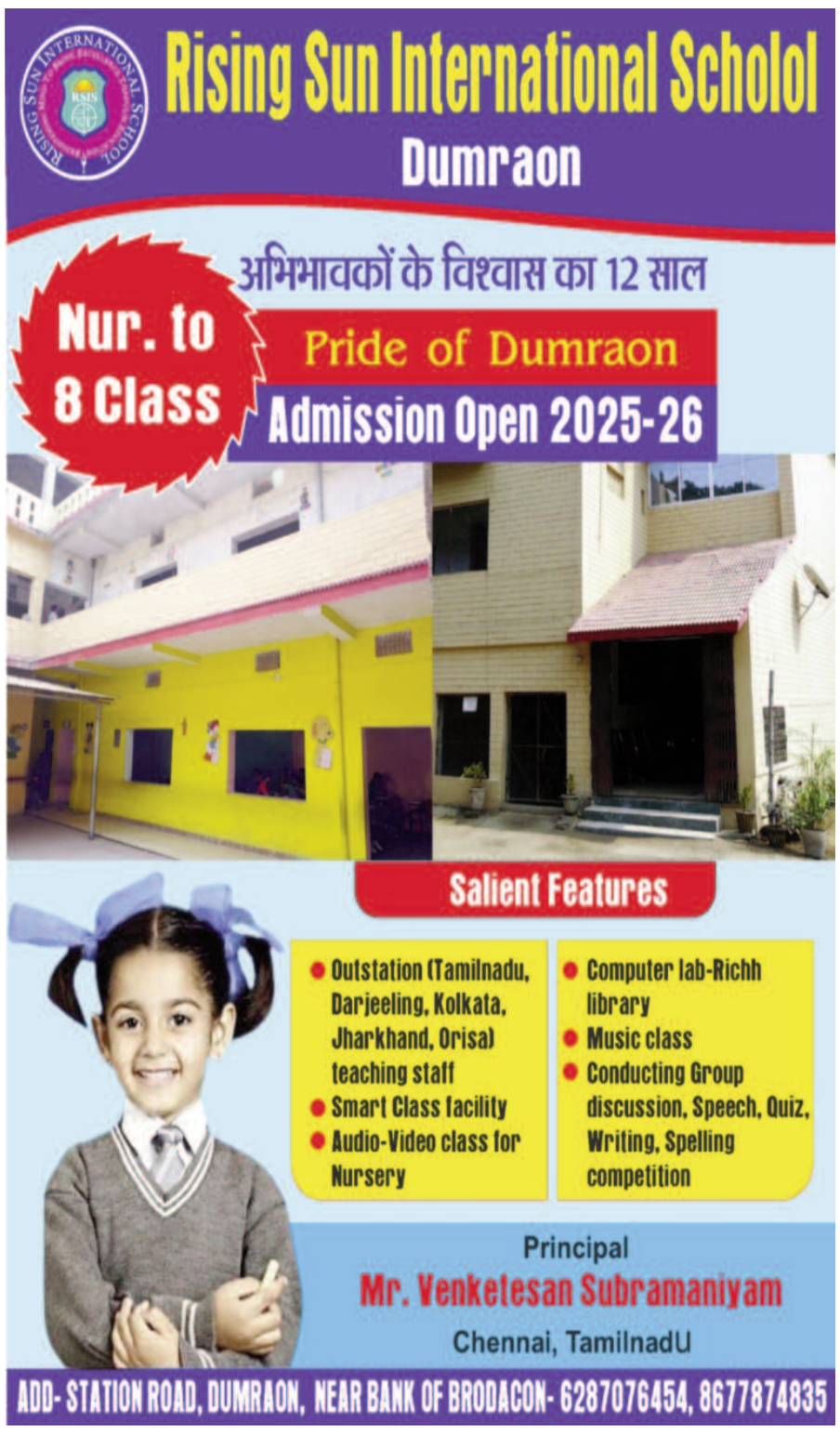

मुस्लिमों को रंग से परहेज है तो वे घर के अंदर रहें: बचौल

तेजस्वी ने बीजेपी पर साधा निशाना, बोले- कहां हैं सीएम

केटी न्यूज/पटना

भारतीय जनता पार्टी के एक विधायक ने सोमवार को मुसलमानों को लेकर विवादित बयान दिया है। बीजेपी विधायक ने मुसलमानों से होली के दिन घर के अंदर रहने की अपील की, जो इस वर्ष रमजान के पवित्र महीने के दौरान शुक्रवार को पड़ रही है। उन्होंने हिंदुओं को बिना किसी व्यावधान के अपना त्योहार मनाने देने की अपील की।

मधुबनी जिले के बिस्फी विधानसभा क्षेत्र के विधायक हरिभूषण ठाकुर उर्फ बचौल ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए ये बातें कहीं। बीजेपी नेता ने कहा कि वह मुसलमानों से अपील करना चाहते हैं कि साल में 52 जुम्मा (शुक्रवार) होते हैं। उनमें से एक होली के साथ पड़ता है। इसलिए, उन्हें हिंदुओं को त्योहार मनाने देना चाहिए और अगर उन पर रंग लगाया जाता है तो उन्हें बुरा नहीं मानना चाहिए। अगर उन्हें ऐसी कोई समस्या है, तो उन्हें घर के अंदर रहना चाहिए। सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है।

बीजेपी विधायक से पूछा गया, जब उनसे कहा गया कि मुसलमान रमजान के दौरान रोजा (उपवास) रखते हैं और शुक्रवार को विशेष नमाज अदा करते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि उनके हमेशा दोहरे मापदंड रहे हैं। वे अबीर-गुलाल (रंगीन पाउडर) बेचकर स्टॉल लगाकर पैसा कमाने में खुश हैं, लेकिन अगर उनके कपड़ों पर कुछ दाग लग जाते हैं, तो वे दोजख (नरक) से डरने लगते हैं।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा विधायक पर निशाना साधते हुए कहा, ऐसे बयान देने वाले वे कौन होते हैं? वे ऐसी बातें कैसे कह सकते हैं। पूर्व डिप्टी सीएम ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, सीएम कहां हैं? क्या उनमें बचोल को दंडित करने का साहस है। आरजेडी नेता ने कहा कि यह एक ऐसा देश है जो राम और रहीम में विश्वास करता है। यह बिहार है यहां, पांच या छह हिंदू एक मुस्लिम भाई की रक्षा के लिए खड़े होंगे।

इसराइल मंसूरी ने भी जताई आपत्ति: राजद विधायक और पूर्व मंत्री इसराइल मंसूरी ने बचौल के बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा, त्योहारों के मामले में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच कोई समस्या नहीं है। हिंदू हमारी इफ्तार पार्टियों में शामिल होते हैं।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार 16 मार्च से करेंगे नौकरी दो, पलायन रोको यात्रा

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने बड़ी घोषणा की है। पार्टी के वरिष्ठ नेता कन्हैया कुमार ने अपनी बिहार यात्रा का ऐलान किया है, जिसका नाम नौकरी दो, पलायन रोको रखा गया है। यह यात्रा 16 मार्च से शुरू होगी और इसकी शुरूआत चंपारण के भितिहरवा आश्रम से होगी। इस यात्रा के जरिए कन्हैया कुमार बिहार में रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी मुद्दों को उठाएंगे। पटना स्थित सदाकत आश्रम में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बिहार में युवाओं के बढ़ते पलायन और सरकार की नीतियों पर निशाना साधा। उनके साथ कांग्रेस के कई बड़े नेता भी मौजूद रहे, जिनमें बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी शामिल थे।

कन्हैया कुमार ने कहा कि बिहार में रोजगार की भारी कमी है। युवा शिक्षा और इलाज के लिए भी बाहर जाने को मजबूर हैं। यह सबसे बड़ा मुद्दा है, जिसे लेकर हम जनता के बीच जाएंगे। हमारी यात्रा इसी उद्देश्य के लिए है कि सरकार को युवाओं की समस्याओं पर ध्यान देना पड़े। उन्होंने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि डोमिसाइल नीति के तहत बिहार के युवाओं का हक छीना जा रहा है और नौकरियां बाहरी लोगों को दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जनता जिसे समर्थन देगी, वह आगे आएगा।

10 सूत्री मांगों को लेकर विधानसभा का घेराव करने जा रहे थे छात्र

अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे छात्रों व पुलिस के बीच झड़प

केटी न्यूज/पटना

पटना में एक बार फिर छात्रों का आक्रोश देखने को मिला। छात्रों ने अपनी 10 सूत्री मांगों को लेकर विधानसभा घेराव करने के लिए मार्च निकाला। लेकिन, पटना पुलिस ने इन्हे रोक दिया। इसके बाद छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। प्रदर्शनकारियों की संख्या बढ़ते ही पुलिस ने विधानसभा मार्च को रोकने के लिए जेपी गोलंबर के पास बैरिकेडिंग लगा दी। इसके बावजूद छात्र बैरिकेडिंग को तोड़ते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच झड़प भी हुई। हालांकि, पुलिस ने डाक बंगला चौराहे तक छात्रों को रोकने में सफलता प्राप्त की। डाक बंगला चौराहे पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को चारों ओर से घेर लिया और उन्हें विधानसभा घेराव की ओर बढ़ने से रोक दिया। प्रदर्शन में सैकड़ों छात्र शामिल थे, जो अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे थे। हालांकि पुलिस के कड़े विरोध और बैरिकेडिंग के बावजूद, छात्रों का संघर्ष जारी रहा, और वे अपनी आवाज को सरकार तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध दिखे।छात्र नेता गौतम आनंद ने कहा कि सरकार छात्रों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। इससे छात्रों में असंतोष बढ़ रहा है। हमलोग लगातार सरकार से मांग कर रहे हैं लेकिन वह सुनने को तैयार नहीं है। हमें बर्बर तरीके से रोका जा रहा है। लाखों छात्रों के साथ अन्याय हो रहा है।

ये हैं प्रमुख मांगें: छात्रों की मांग है कि राज्य में सभी रिक्त सरकारी पदों को भरा जाए, विशेष रूप से शिक्षकों और अन्य सरकारी कर्मियों की कमी को पूरा किया जाए। शैक्षणिक सत्र को नियमित किया जाए और एकेडमिक कैलेंडर लागू किया जाए ताकि छात्रों को सही समय पर शिक्षा मिल सके। सभी विश्वविद्यालयों में नियमित छात्र संघ के चुनाव कराए जाएं, ताकि छात्रों की आवाज को सही प्लेटफार्म मिले।

पारामेडिकल छात्रों ने पटना की सड़कों पर जमकर किया प्रदर्शन

पटना। बिहार में विधानसभा का सत्र चल रहा है। इसी बीच डोमिसाइल की मांग को लेकर पारामेडिकल छात्रों ने पटना की सड़कों पर जमकर प्रदर्शन किया। गांधी मैदान थाना के पास से पारामेडिकल छात्रों का विधानसभा मार्च निकला और मार्च जेपी गोलंबर तक जैसे पहुंचा पुलिस ने उसे रोक दिया। इस दौरान विभिन्न ट्रेड से जुड़े पारामेडिकल छात्रों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि सरकार, बिहार के युवाओं की नौकरी छीन कर दूसरे प्रदेश के युवाओं को दे रही है।

10000 सीटों पर आई है वैकेंसी : बिहार पारा मेडिकल संघ के अध्यक्ष भारत भूषण ने बताया कि बीते दिनों उनके कॉन्फ्रेंस में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे आए हुए थे। तमाम पारामेडिकल छात्रों की डिमांड डोमिसाइल को लेकर जो थी, उसपर सहमति जताई थी लेकिन वर्तमान समय में लैब टेक्नीशियन एक्स-रे टेक्निशियन जैसे 5 से 6 ट्रेड में लगभग 10000 सीटों पर वैकेंसी आई हुई है और इसमें डोमिसाइल का कोई जिक्र नहीं है। पारा मेडिकल संघ के सचिव सुरेंद्र सुमन ने कहा कि बिहार के युवाओं के साथ हकमारी हो रही है। पारा मेडिकल के फील्ड में अस्पतालों में लाखों पद खाली हैं लेकिन महज 10000 पद पर वैकेंसी आई हुई है। ऊपर से इस वैकेंसी में डोमिसाइल लागू नहीं है।

पटना में 26 लाख रु. के कफ सिरप बरामद

पटना। पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर से बड़ी मात्रा में कफ सिरफ पकड़ा गया है। ड्रग विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार को 26 लाख रुपए मूल्य का प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया है। ड्रग विभाग को इस बात की गुप्त सूचना मिली थी। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए तस्कर को धर दबोचा और कफ सिरप की बड़ी खेप को जब्त किया। बरामद प्रतिबंधित कफ सिरप कोविड फास्फेट को होली में बेचने के लिए पटना लाया गया था। ड्रग विभाग की टीम ने जिस ट्रक को गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा उसमें 163 कार्टन में रखी 16,300 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप थी। जिसे जब्त कर लिया गया है। वही एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है लेकिन ट्रक का ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

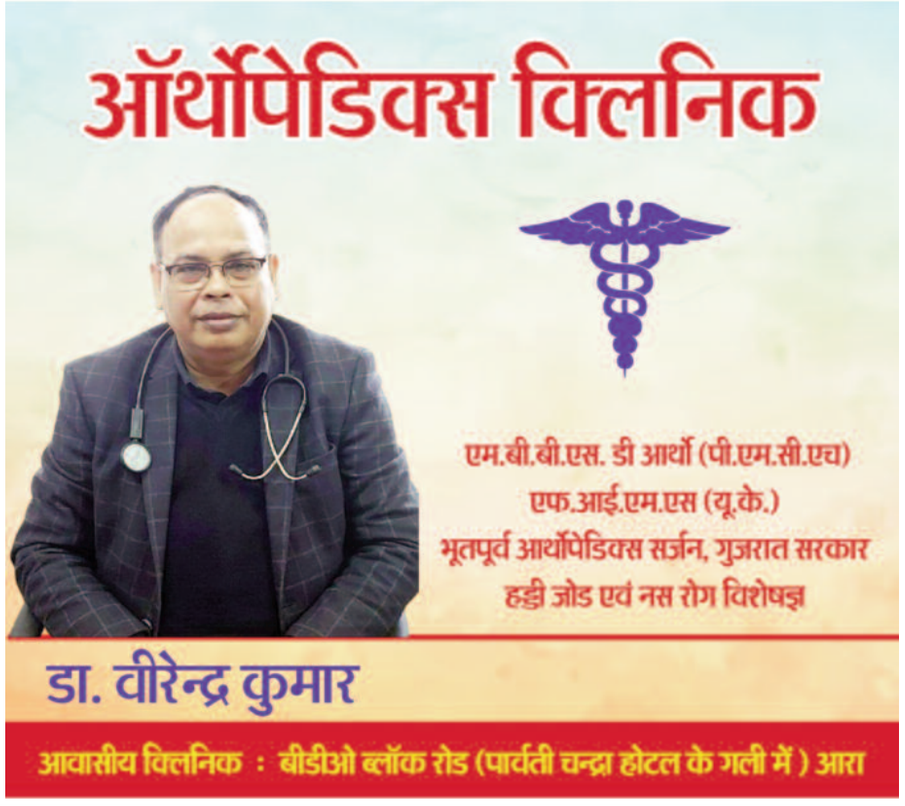

10 साल पुराने हत्या के मामले में 11 लोगों को उम्रकैद की सजा

मधेपुरा। मधेपुरा जिले के मुरलीगंज थाना क्षेत्र के गम्हरिया मुस्लिम टोला में दस साल पहले हुए एक हत्या के एक मामले में अदालत ने 11 लोगों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। जिसमें सभी दोषियों पर 20-20 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। इस मामले में अपर लोक अभियोजक नूर आलम ने बताया कि सूचक मो. जाहीर ने मुरलीगंज थाना में मामला दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि आपसी विवाद में गम्हरिया मुस्लिम टोला के कुछ लोगों ने उनके पिता मो. इकबाल की गोली मार दी थी, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। वहीं अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी दोषियों को दी गई सजाएं साथ-साथ चलेंगी। जिससे इस फैसले के बाद पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

पटना में डेकोरेशन के काम से गए युवक को घात लगाए बैठे बदमाशों ने मारी गोली, मौत

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में अपराध का ग्राफ दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। पुलिस के लाख कोशिश करने के बावजूद अपराध कम नहीं हो रहा है। सोमवार को दिनदहाड़े एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह सनसनीखेज वारदात बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र स्थित बिहार राज्य भारत स्काउट एंड गाइड कैंपस में हुई। जहां लाइट डेकोरेशन का काम कर रहे 35 वर्षीय युवक राजेश कुमार को सिर में गोली मार दी गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जाता है कि मृतक राजेश कुमार कदमकुआं थाना क्षेत्र के चूड़ी मार्केट स्थित ठाकुरबाड़ी रोड का निवासी था। वह 'जय माता दी लाइट एंड साउंड' के नाम से अपनी दुकान चलाता था। बताया जा रहा है कि स्काउट एंड गाइड कैंपस में डेकोरेशन के काम के लिए उसे आज ही बुलाया गया था। जैसे ही उसने अपनी स्कूटी से कैंपस में प्रवेश किया पहले से घात लगाए अपराधियों ने पीछे से उसके सिर में गोली मार दी।

गोली लगने के बाद राजेश वहीं गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर कृष्ण मुरारी प्रसाद और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से एक खोखा, हेलमेट और स्कूटी को जब्त कर लिया है। हालांकि घटनास्थल से महज 200 मीटर की दूरी पर कोतवाली थाना होने के बावजूद अपराधी आराम से फरार हो गए।

मृतक राजेश कुमार दो बच्चों का पिता था। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस हर बिंदु पर जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस वारदात में कितने लोग शामिल थे और इसके पीछे की मंशा क्या थी?

जनसुराज अभियान के संयोजक प्रशांत किशोर ने फिर नीतीश कुमार की सरकार पर बोला हमला

नीतीश कुमार अब दोबारा कभी मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे, जनता उनके राज से ऊब चुकी है

केटी न्यूज/पटना

जनसुराज अभियान के संयोजक प्रशांत किशोर ने एक बार फिर नीतीश कुमार की सरकार पर बड़ा हमला बोला है। दरभंगा के दौरे पर पहुंचे प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में लालू यादव और नीतीश कुमार के शासन में कोई फर्क नहीं है। दोनों ही शासनकाल में आम जनता का शोषण हुआ है, बस किरदार बदल गए हैं। प्रशांत किशोर ने तंज कसा कि लालू राज में अपराधी रात को बंदूक सटाकर लोगों को लूटते थे, अब नीतीश राज में अधिकारी दिन में कलम और गन दोनों से लूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो अपराध पहले अपराधी करते थे, अब वही कार्य प्रशासन के लोग कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और मनमानी का आरोप लगाते हुए कहा कि आज बिहार में अधिकारियों का जंगलराज कायम है। जनता दोनों से परेशान, बदलाव तयह्न

प्रशांत किशोर ने कहा कि हम दो साल से गांव-गांव घूम रहे हैं। हर गांव में यही सुनने को मिलता है कि जनता लालू और नीतीश दोनों से त्रस्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि लालू यादव के शासनकाल में अपराधियों की सत्ता थी, आज नीतीश कुमार के शासन में अधिकारी बेलगाम हो गए हैं। दोनों ही कालखंड में जनता की हालत बदतर रही है। उन्होंने दावा किया कि बिहार की जनता अब बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश कुमार अब किसी भी हालत में दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे, क्योंकि जनता अब उनके राज से पूरी तरह ऊब चुकी है।

छह महीने में तय होगा बिहार का नया नेतृत्व: प्रशांत किशोर ने भविष्य की राजनीति को लेकर कहा कि अब समय आ गया है कि बिहार को एक नई दिशा और नया नेतृत्व मिले। उन्होंने कहा कि छह महीने बाद जब चुनाव होंगे, तब साफ हो जाएगा कि बिहार की जनता किसे नेतृत्व सौंपती है। लेकिन इतना तय है कि अब पुराने चेहरों को जनता स्वीकार नहीं करेगी।

तेजस्वी यादव पर भी किया हमला: जनसुराज के संयोजक प्रशांत किशोर ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर हमला करते हुए कहा कि वह मुस्लिमों को डरा धमका कर वोट लिया करते हैं। जिस दिन राजद के हाथ से मुस्लिमों का वोट निकल जाएगा उस राजद का वजूद समाप्त हो जाएगा। पीके ने डोमिसाइल नीति को लागू करने पर कहा कि जब वह सरकार में हुआ करते थे, तब क्यों नहीं डोमिसाइल नीति लागू की थी।

मुंडन संस्कार को ले उमड़ी भारी भीड़, शहर के मुख्य पथ सहित गली-मोहल्लों में भी लगा जाम

जाम से पूरे दिन कराहता रहा बक्सर शहर, एसपी से लेकर जज तक की गाड़ियां भी फंसी

केटी न्यूज/बक्सर

- स्टेशन रोड, पीपी रोड, बाइपास रोड, मुख्य पथ सहित सभी लिंक रोड व गली-मोहल्लों में भी जाम लगा रहा, एक किलोमीटर की दूरी तय करने में एक घंटा से भी अधिक का समय लगा

मुंडन संस्कार के कारण सोमवार को बक्सर शहर पूरे दिन जाम की गिरफ्त में रहा। सुबह से लेकर शाम तक शहर के मुख्य पथ के अलावे गली-मोहल्लों में भी जाम लगा रहा। इस दौरान आम से लेकर खास तक जांम में घंटो फंसे रहे। बक्सर एसपी शुभम आर्य के अलावे एक न्यायिक पदाधिकारी को भी इस जाम का दंश झेलना पड़ा। हालांकि, बक्सर पुलिस जाम हटाने के लिए काफी सक्रिय थी, लेकिन जाम इतना गंभीर था कि पुलिस बेबस नजर आ रही थी। बता दें कि रंगभरी एकादशी पर मुंडन संस्कार का बहुत अच्छा मुहुर्त था। जिस कारण बड़ी संख्या में मुंडन संस्कार कराने वाले रामरेखा घाट आए थे। जिस कारण जाम लग गया। सुबह से लगा यह जाम शाम तक जारी रहा। इस दौरान स्टेशन रोड, पीपी रोड, बाइपास रोड, मुख्य पथ आदि में जाम लगने के साथ ही सभी लिंक रोड व गली-मोहल्लों में भी जाम लग गया। आलम यह था कि बक्सर सेंडिगेट से ज्योति चौक पहुंचने में लोगों को घंटो समय लग जा रहा था। यही हाल स्टेशन से ज्योति चौक तक, अंबेडकर चौक से समाहरणालय पथ, रामरेखा घाट के पास से निकलने वाले पीपी रोड, पुस्तकालय रोड आदि का था।सुबह से लगे इस जाम में आम से लेकर खास तक परेशान रहे। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हुई। उनकी बस सुबह स्कूल जाने व दोपहर में छुट्टी के बाद वापस घर लौटने के दौरान जाम में फंसी रही। इस दौरान बस के अंदर बैठे बच्चें भूखे-प्यासे बिलबिलाते रहे।

रामरेखा घाट पर श्रद्धालुओं बीच हुई मारपीट

बक्सर। प्रसिद्ध रामरेखा घाट पर काफी संख्या में श्रद्धालु मुंडन संस्कार को लेकर पहुंचे थे। मुंडन संस्कार को लेकर लोग सुबह से ही पहुंचने लगे थे। जिनके आने-जाने का क्रम लगातार जारी रहा। इस बीच रामरेखा घाट पर पैर रखने के लिए जगह नहीं बची थी। इस अप्रत्याशित भीड़ के बीच अचानक दो पक्षों में जमकर मारपीट अचानक शुरू हो गई। जिससे आसपास में भगदड़ की स्थिति कायम हो गई। वहां मौजूद कुछ लोगों ने इस घटना को वीडियों बना लिया और उसे वायरल कर दिया। हालांकि केटी न्यूज इस वीडियों की पुष्टि नहीं करता है। इस मारपीट को रोकने के लिए कुछ लोग पहुंच कर बीच बचाव करने लगे। काफी मशक्कत के बाद कुछ देर के बाद मामला को शांत कराया जा सका। घाट पर मौजूद पंडा समाज ने भी बीच बचाव किया। पंडा समाज के लोगों ने बताया कि अचानक कुछ लोग आपस में लड़ने लगे। इस बात का पता नहीं चल पाया कि दोनों युवक किसी कारण से मारपीट करने लगे। जिससे भगदड की स्थिति मच गई। मारपीट करने वाले सिमरी थाना के राजापुर निवासी बताए जा रहे है।

रामरेखा घाट पर भी उमड़ी रही भीड़

बक्सर। रामरेखा घाट पर भी मुंडन संस्कार कराने वालों की रिकार्ड भीड़ उमड़ी रही। आलम यह था कि एमपी स्कूल से लेकर रामरेखा घाट तक सुबह से लेकर दोपहर बाद तक पैदल चलना भी मुश्किल था। जिस कारण श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान कई बार श्रद्धालुओं के बीच आपस में मारपीट की नौबत आते रही। घाट पर किसी तरह की व्यवस्था दिखाई नहीं पड़ रही थी। मुंडन संस्कार कराने वालों की भारी भीड़ के चलते प्रशासनिक तैयारी नाकाफी साबित हुई।मुंडन संस्कार कराने वाले श्रद्धालुओं को भारी फजीहत झेलनी पड़ी। रिकार्ड भीड़ के कारण उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक परेशानी उन्हें घाट पर अपनों को ढूंढने में हो रही थी। वहीं, इस अवसर का लाभ नाव संचालकों ने जमकर उठाया। जानकारी के अनुसार नाव चालक श्रद्धालुओं से मनमाना किराया वसूल रहे थे। कोई भी इसका विरोध कर रहा था तब उनलोगों का कहना है कि आप दूसरे नाव पर चले जाइए। यहां पर इतना ही कराया लगता है। मानक से अधिक नाव पर लोग सवार हो रहे थे। उसे रोकने वाला कोई नहीं था।

एसपी से लेकर न्यायिक पदाधिकारियों तक को झेलना पड़ा दंश

गुम होते रहे बच्चें मुंडन संस्कार में उमड़ी भारी भीड़ के कारण कई बच्चे अपने स्वजनों से बिछड़ जा रहे थे। इस दौरान पुलिस ने काफी तत्परता दिखाई तथा गुम होने वाले बच्चों को स्वजनों से मिलवाया। जानकारी के अनुसार पुलिस ने करीब आधा दर्जन बच्चों को रामरेखा घाट पर उनके स्वजनों से मिलवाया है। इस जाम का दंश प्रशासनिक महकमे व न्यायिक पदाधिकारियों को भी झेलना पड़ा। खुद बक्सर एसपी शुभम आर्य इस जाम में फंसे रहे। जबकि कई न्यायिक पदाधिकारियों की गाड़ियां भी जाम की भेंट चढ़ी। इस दौरान जाम हटाने में पुलिस प्रशासन बेबस नजर आ रहा था। हालांकि, प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर सभी प्रमुख जगहों पर ट्रैफिक कंट्रोल के लिए पुलिस के जवानों को तैनात किया गया था, लेकिन वाहनों की अधिक संख्या के कारण पुलिसकर्मी भी लाचार दिखे। नगर के ज्योति चौक, अंबेडकर चौक सहित अन्य जगहों पर पुलिस कर्मी दिखाई भी नहीं दे रहे थे। यदि कोई दिखा भी तो हाथ बांधकर चुपचाप खड़ा था। कोई भी इस भयंकर जाम को हटाने का प्रयास करता नहीं दिखा। वहीं इस संबंध में बक्सर में मुंडन संस्कार को देखते हुए सभी प्रमुख जगहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। इस बार काफी अप्रत्याशित भीड़ जुट गई थी, जिस कारण कुछ देर के लिए ट्रैफिक व्यवस्था बाधित हुई, लेकिन जल्दी ही उसे नियंत्रित कर लिया गया।

संतोष कुमार सिंह, ट्रैफिक डीएसपी, बक्सर

एक नजर

चौंगाई में जदयू कार्यकताओं की बैठक में बूथ जीतो चुनाव जीतो के लगे नारे

डुमरांव। अनुमंडल के चौंगाई स्थित काली स्थान सामुदायिक भवन में जदयू के पंचायत अध्यक्ष सहित प्रखंड कमिटी की बैठक सोमवार को आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए डुमरांव विधान सभा प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा ने कहा कि प्रत्येक बूथ पर समाजिक समीकरण को देखते हुए कमिटी का गठन करना है। पंचायत अध्यक्ष पार्टी की रीढ़ हैं, 15 मार्च तक बूथ कमिटी का गठन कर लेना है। डुमरांव में जदयू का झंडा तभी लहराएगा जब बूथ जीतो चुनाव जीतो का नारा लगेगा। सभी से कहा गया कि बूथ स्तर तक कमिटी को गठन उसे मजबूति प्रदान करेंगे। मालूम हो कि होने वाले विधान सभा में जदयू कार्यकर्ता काफी सक्रीयता निभाते हुए पार्टी के प्रचार-प्रसार में सक्रीय भूमिका निभा रहे हैं। सभी कार्यकताओं को लेकर बूथ कमिटी बनाई जा रही है। हर बूथ कमिटी में 12 सदस्य रहेंगे। कमिटी में समाजिक समीकरण को तरजीह देते हुए आगे बढ़ना है। इस बूथ कमिटी का बनाने का काम 15 मार्चतक पूरा कर लेना है। कमिटी का काम पूरा होते ही अध्यक्ष के साथ सदस्यों को पार्टी के प्रचार-प्रसार में जुट जाना है। बैठक में उपस्थित बरिष्ठ कार्यकताओं ने अपनी सहभागिता पूर्णरूप से निभाते हुए पार्टी के दिशा-निर्देश पर काम करने की सहमति जताई। साथ सभी ने बूथ कमिटी को मजबूति प्रदान करते हुए शहर से लेकर गांव तक जाने की बात कही। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष कृष्णा सिंह ने की। बैठक में मुख्य रूप से सीताराम सिंह, चंद्रमा चौधरी, कवल राय, यत्येन्द्र चौधरी, राम प्रताप सिंह, जीतेन्द्र राम, अरूण सिंह, विमलेश गुप्ता, राजेन्द्र सिंह, ब्रजमोहन कानू, सूरज प्रसाद, वकील राम, सूर्य पाल सहित अन्य मौजूद रहे।

नगर परिषद में 15 यात्री शेड बनकर तैयार

डुमरांव। नगर परिषद बोर्ड की समान्य बैठक में नगर सहित विस्तारित क्षेत्रों में यात्री शेड बनाने का पार्षदों द्वारा प्रस्ताव लाया गया था, जिसे सर्व सम्मति से पास कर दिया था। प्रस्ताव पास होने के बाद इस पर कार्य को तीव्रगति से शुरू कर दिया गया था। पहले पंद्रह वैसे स्थलो का चयन किया गया, जहां अधिक से अधिक लोग इसका उपयोग कर सकें। स्थल चयन करने के बाद 10 यात्री शेड के लिये आए समानों का उपयोग करते हुए बनाने का काम शुरू कर दिया गया। जो अंतिम दौर में है। वैसे पांच स्थलों पर यात्री सेड का निर्माण नहीं होने के कारण लोगों में उहापोह की स्थिति बनी हुई थी। लोगों का कहना था कि दस लगाकर पांच का पैसा नप के अधिकारी और कर्मी खा गए। सोमवार को बाकी बचे 5 यात्री सेड बनाने का समान नप कार्यालय में पहुंचा, जिसे उतारने का काम शुरू किया गया। यात्री शेड का समान उतरते देख लोगों को यह एहसास हुआ की बचे पांच यात्री शेड का भी निर्माण शीघ्र हो जाएगा। मालूम हो कि यात्री शेड के लिये जन स्थलों का चयन किया गया है, उसमें नया थाना के भीतर और बाहर दो लगेगा। नया थाना बस स्टैंड, ट्रेनिंग स्कूल के पास, डुमरेजिन मंदिर, काली मंदिर, पुराना भोजपुर, नया भोजपुर, डुमरांव रेलवे स्टेशन के पास, एनएच के नवाडेरा मोड़ के पास, बनकट सहित अन्य स्थानों का चयन किया गया है। जिस पांच स्थानों को चयनित किया गया है, वहां पर जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा। मालूम हो कि यात्री शेड बनने से यात्रियों के अलावे डुमरांव बाजार आने वाले लोगों को भी आराम करने के लिये भटकना नहीं पड़ेगा। मालूम को हो कि डुमरांव से होकर टाटा, रांची, बोकारो सहित बंगाल के लिये वाहनों से जाने वाले घंटो धूप और पानी में खड़े हो वाहन का इंतजार करते हैं।

देसी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, जेल

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने थाना क्षेत्र के स्थानीय अनुसूचित जाति बस्ती में छापेमारी कर देसी शराब के साथ एक तस्कर को पकड़ा है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि इस बस्ती में शराब की खेप मंगायी गयी है। पुलिस ने एक टीम गठित कर उस टोले में डोर-टू-डोर तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान में पुलिस को सफलता मिली। पकड़ा गया आरोपी लोरिक मुसहर बताया जाता है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार होली पर्व को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है। यह प्रयास किया जा रहा है कि शराब तस्करों पर नकेल कसी जाए।

बक्सर में मनाया जाएगा फगुआ उत्सव, शामिल होंगे 45 कलाकार

केटी न्यूज/बक्सर

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं जिला प्रशासन बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में बक्सर जिला में दो दिवसीय फगुआ उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 11 और 12 मार्च को अलग-अलग जगहों पर आयोजित होगा। जानकारी के अनुसार 11 मार्च को बीएन उच्च विद्यालय ब्रह्मपुर में एवं 12 मार्च को नगर भवन बक्सर में फगुआ उत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। उत्सव में केन्द्र के अन्तर्गत शामिल राज्यों के सांस्कृतिक दलों को आमंत्रित किया जाएगा। जिसमें लगभग 45 लोक कलाकारों की भागीदारी होगी।

उत्सव में शामिल होने वाले सांस्कृतिक दल : इस फगुआ उत्सव को संपन्न कराने में जिन तीन सांस्कृतिक दलों को शामिल किया गया है, उनमें खुशबू पारीक एवं दल, डीग, राजस्थान, 15 कलाकारों के द्वारा लोक नृत्य-मयूर व फूलों की होली पर प्रस्तुति दी जाएगी। दीपक एवं दल दादरी, हरियाणा, 15 कलाकारों के द्वारा लोक नृत्य-फाग, घूमर व पनिहारी पर प्रस्तुति दी जाएगी। डॉ. रवीन्द्र कुमार एवं दल औरंगाबाद, बिहार, 15 कलाकारों के द्वारा लोक नृत्य- झिंझिया, बारामासा व होली पर प्रस्तुति दी जाएगी। जिला प्रशासन ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए जिलेवासियों को शामिल होने की अपील की है।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक जख्मी

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र के सुघर डेरा गांव के पास डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर सड़क दुर्घटना में एक बाइक पर सवार दो युवक जख्मी हो गए। इसकी जानकारी मिलते ही डायल 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा घायलों को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाई। घायलों की पहचान सिकरौल थाना क्षेत्र के बीसी बसांव गांव निवासी राजेश कुमार पिता स्व. कुंदन सिंह 22 वर्ष और नारदमुनी सिंह पिता स्व. शिवजोगी सिंह 60 वर्ष के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार सुघर डेरा के पास बाइक चालक अचान असंतुलित हो गया, जिस कारण बाइक पलट गई।

सोंधिला के पास नहर में मिला महिला का शव, हत्या की आशंका

केटी न्यूज/बक्सर

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सोंधिला गांव में सोमवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब ग्रामीणों ने सिकरौल लख नहर में एक महिला का शव देखा गया। इसकी जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में आग की तरह फैल गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। शव की पहचान की कोशिश की गई, मगर, पहचान न हो सकी। इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी, जिसके बाद मुफस्सिल थाने की टीम मौके पर पहुंच जांच शुरू की।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उक्त मृत महिला की उम्र करीब 30-35 साल बताई जा रही है, लेकिन अब तक उसकी पहचान नहीं हो सकी है। शव पानी में कई घंटों से पड़ा होने की आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने महिला की हत्या कर शव को नहर में फेंकने की संभावना व्यक्त की जा रही है, हालांकि पुलिस अभी किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंची है। हत्या और दुर्घटना दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन बिना ठोस साक्ष्य के कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। पुलिस आसपास के इलाकों में गुमशुदा महिलाओं की जानकारी खंगाल रही है ताकि शव की पहचान की जा सके। मुफस्सिल थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है। जहा शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम को भेज दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

आईईएम बक्सर ने मनाया होली मिलन समारोह, शामिल हुए सैकड़ों पूर्व सैनिक

प्रेम व भाईचारे का संदेश देता है होली : डॉ. पीके

केटी न्यूज/बक्सर

आईईएसएम, बक्सर की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में सैनिक कार्यालय मां मुंडेश्वरी अस्पताल में की गई। जिसमें बक्सर जिला के हर कोने और उत्तर प्रदेश के सैनिकों ने भी सैकड़ों की संख्या में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। मंच संचालन जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने किया। बैठक में अध्यक्ष ने सैनिकों को मिलने वाली हर सुविधाओं पर विशेष चर्चा की। सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा संगठन की एकता बनाए रखने के लिए विशेष जोर दिया गया। बैठक में आए हुए कुछ सैनिकों ने अपनी समस्याओं को संगठन के समक्ष रखा, जिस पर उन्हें हर तरह की मदद करने का आश्वासन दिया गया। आईईएसएम के हेल्थ केयर शाहाबाद जोन के अध्यक्ष डॉ. मेजर पी. के पाण्डेय ने कहा कि आईईएसएम बक्सर की एकता और कार्यों का वर्णन हिन्दुस्तान के हर कोने में किया जा रहा है। डॉ. मेजर पीके पांडेय और पूरी टीम के द्वारा आर्थिक मदद कर कंजिया के एक गरीब परिवार की बेटी की शादी कराने पर सभी सैनिकों ने काफी सराहना की। गाजीपुर जिलाध्यक्ष हवलदार मार्कण्डेय सिंह के निधन पर संगठन ने 2 मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने बताया कि पीसीडीए प्रधान नियंत्रक संदीप सरकार के नेतृत्व में दिन रात रफ्तार में कार्य कर सैनिकों की पेंशन संबंधित समस्याओं का निदान किया जा रहा है। बैठक में कई नए सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण की और पूर्ण समर्थन करने का आश्वासन दिए। अंत में सैनिकों एवं वीरांगनाओं ने रंगों के त्योहार होली में आपस में रंग गुलाल लगाकर होली की बधाइयां दी। डॉ. पीके पांडेय ने कहा कि होली का त्योहार प्रेम व भाईचारे को बढ़ाता है। इस त्योहार को मिलजुलकर मनाना चाहिए। इसके बाद कैप्टन बीएन पांडेय ने मीटिंग समाप्ति की घोषणा की। मौके पर जिला उपाध्यक्ष जेपी सिंह, जिला उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट आर बी ओझा, कोषाध्यक्ष सूबेदार मेजर आर बी सिंह, सचिव नायब सूबेदार हरेंद्र मिश्रा, कार्यकारिणी चेयरमैन कैप्टन संजय पाठक, पूर्व चेयरमैन सूबेदार अलख नारायण श्रीवास्तव, डुमरांव अनुमंडल अध्यक्ष सूबेदार कमलेश्वर सिंह, इटाढ़ी, प्रखंड अध्यक्ष हरिहर सिंह, सिमरी प्रखंड अध्यक्ष त्रिवेणी दुबे, उप चेयरमैन बलिराम मिश्रा, धर्मराज सिंह, रमेश प्रसाद, अशोक उपाध्याय, आईडी सिंह, संयोजक रामनाथ सिंह, उप संयोजक भरत मिश्रा, अंबिका राय, फूल बदन सिंह, धनंजय दुबे, मीडिया प्रभारी गणेश सिंह, लोक नाथ सिंह, धतूरी सिंह, आरके सिंह, ललन चौबे ,राजेंद्र चौबे, रविकांत राय, जग नारायण साहू, जनार्दन सिंह, मोहन मुरारी पांडेय, रंग बहादुर सिंह, नंद लाल ओझा, उमा शंकर शर्मा, हरेंद्र राय, वीरांगना अध्यक्ष रिंकी देवी, उर्मिला देवी सहित अन्य मौजूद थे।

डुमरांव अनुमंडल के सभी राजस्व कर्मचारी अपने हल्का में कैम्प लगाकर करेंगे लगान वसूली

केटी न्यूज/डुमरांव

भू-लगान की वसूली निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप जमा नहीं होने से राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सभी रैयतों (भूस्वामियों) के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। यह सूचना उन लोगों के लिए है जिन्होंने अभी तक वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपना भू-राजस्व जमा नहीं किया है। विभाग ने सूचना जारी कर कहा है कि अगर आपने अभी तक आपने अपने जमीन का लगान जमा नहीं किया है तो 31 मार्च 2025 तक जमा कर दें। विभाग ने भू-राजस्व जमा करने की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए इसे पूरी तरह से ऑनलाइन कर दिया है। ताकि भू-स्वामी घर बैठे जमीन का लगान जमा कर सकें या सीएससी केंद्र पर भी लगान जमा कर सकते है। सोमवार को सिमरी सीओ भगवती शंकर पांडेय ने प्रखंड सभागार कक्ष में भू लगान की वसूली के लिए शिविर का आयोजन किया था। जिसमे कर्मचारियों के साथ

कॉमन सर्विस सेंटर के संचालक भी उपस्थित थे। सभी डुमरांव में भी लगान वसूली को लेकर शिविर लगाने का आदेश जारी कर दिया गया है।

लगान जमा करने के लिए कर्मचारी से मिलने की जरूरी नहीं

दरअसल, हल्का कर्मचारी नहीं मिलने, हल्का में लगान रसीद खत्म होने आदि जैसे बहानों को लेकर सरकार ने लगान वसूली की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। अब भू-लगान जमा करने के लिए किसी कर्मचारी से मिलने की जरूरी नहीं है। रैयत अपने जमीन का मौजा, खाता, खेसरा, जमाबंदी आदि लेकर अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर ऑनलाइन लगान जमा कर सकेंगे और पावती रसीद प्राप्त करेंगे।

नीलाम हो सकती है जमीन: राजस्व विभाग से जारी सूचना के अनुसार, अगर तय समय तक भूमि लगान का भुगतान नहीं किया जाता है तो लोक मांग वसूली अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा सकती है। इसके तहत बकाया लगान के लिए संबंधित भूमि मालिकों के खिलाफ नीलाम पत्र वाद दायर किया जा सकता है। अगर मामला आगे बढ़ता है तो नीलामी नोटिस मामले के तहत आपकी जमीन भी नीलाम की जा सकती है।

वसुधा केंद्र से सात सुविधाएं पहले से ही जुड़ी : राजस्व भूमि सुधार विभाग पूर्व से पंजी-टू देखने सुविधा, पंजी-टू देखने तथा लगान भुगतान की सुविधा, जमीन के दाखिल-खारिज के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने की सुविधा, जमीन की मापी के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

भोजपुर में चांदी का मुकुट पहनाकर आरजेडी सुप्रीमो का हुआ स्वागत

बोले लालू यादव ... अमित शाह के लिए बिहार में कोई जगह नहीं

- भोजपुर जिले के चरपोखरी प्रखंड के सेमरांव गांव पहुंचे राजद सुप्रीमो लालू यादव
- यह मिल हर घंटे 8 टन चावल का उत्पादन करेगा

केटी न्यूज/आरा

राजद सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव सोमवार को भोजपुर जिले के चरपोखरी प्रखंड के सेमरांव गांव पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने सोनू नैंसी एग्रो प्राइवेट लिमिटेड राइस मिल का उद्घाटन किया, जो जिले का सबसे बड़ा राइस मिल होगा। उद्घाटन समारोह में लालू यादव को चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया गया। वहीं, उन्होंने विधानसभा चुनाव को लेकर अमित शाह द्वारा दिए गए बयान पर पलटवार किया है। साथ ही राइस मिल का उद्घाटन पर पहुंचने पर खुशी जाहिर की।

लालू यादव ने अमित शाह पर साधा निशाना

लालू यादव ने इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बिहार दौरे और उनके विधानसभा चुनाव में डेरा डालने के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बिहार में अमित शाह के लिए कोई जगह नहीं है। भाजपा व अमित शाह केवल झूठ का पुलिंदा बांधते है। बिहार में इस तरह का खेल नहीं चलता है। यहां की जनता सीधी-साधी होती है। परंतु बेवकूफ नहीं होती है। अमित शाह का जादू यहां चलेगा। बल्कि जनता के विश्वास व मान रखने वाले लालू यादव का चलेगा। इस विधानसभा चुनाव में भाजपा की सारी हकीकत खुलकर सामने आ जाएगी। उन्हें कितनी सीट मिलेगी। स्पष्ट हो गया है। वहीं, उन्होंने आरा स्थित तनिष्क शोरूम में हुई लूट की घटना पर भी चिंता जताई और पुलिस से अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। राइस मिल के प्रोपराइटर सोनू राय ने कहा कि उन्हें गर्व है कि उनके प्रतिष्ठान का उद्घाटन लालू प्रसाद यादव ने किया और उन्हें आशीर्वाद देने के लिए यहां पहुंचे। यह मिल हर घंटे 8 टन चावल का उत्पादन करेगा, जिससे न सिर्फ किसानों को सीधा लाभ मिलेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। मौके पर राजद सुप्रीमो ने कहा कि क्षेत्र के किसानों के सुविधा को ले सेमरांव में राइस मिल खुल गया है। आप लोगों को इससे सुविधा मिलेगा और कही बाहर नही जाना पड़ेगा। मौके पर पूर्व एमएलसी लालदास राय, पूर्व विधायक अरुण यादव, सोनू राय, श्रीनिवास यादव, शैलेंद्र कुमार, दीपू राणावत सहित अन्य राजद नेता व समाजसेवी मौजूद थे। वहीं गायक छोटू छलिया, काव्या, राजा भोजपुरिया, गोलू तूफान, दीपांजलि यादव समेत दर्जनों कलाकार ने श्रोताओं को होली के अनेकों गीतों पर झुमाया। अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख बिनोद यादव ने की। मौके पर पूर्व विधायक बिजेन्द्र यादव, अगिआंव प्रखंड प्रमुख मुकेश यादव, पूर्व प्रमुख निर्मल यादव, प्रमोद यादव, पूर्व उप प्रमुख धर्मेन्द्र सिंह, भिखारी राम, जितेन्द्र यादव, पूर्व मुखिया तस्लीम आरिफ सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जगदीशपुर मुठभेड़ मामले में 2 पर केस

आरा। जगदीशपुर क्षेत्र के कौरा गांव के समीप रविवार की शाम प्रॉपर्टी डीलर को गोली मार भाग रहे अपराधियों की पुलिस के साथ मुठभेड़ मामले में पुलिस ने दो एफआईआर दर्ज किया है। इनमें कुख्यात छोटू मिश्रा व सहित दोनों को गिरफ्तार कर सदर अस्पताल में पुलिस अभिरक्षा में इलाज कराया जा रहा है। गिरफ्तार अपराधियों में रोहतास निवासी छोटू मिश्रा और भोजपुर का विपुल तिवारी है। इनके पास से दो देसी पिस्टल और छह गोलियां बरामद की गयी हैं। इसमें कौरा गांव निवासी स्वर्गीय अनुराग सिंह का 36 वर्षीय पुत्र पप्पू सिंह की ओर से कहा गया है कि पार्किंग को लेकर विवाद हुआ। इसमें दो नामजद लोगों ने गाड़ी पर फायरिंग की। हमारे जांघ में गोली मारकर फरार हो गए। जबकि पुलिस ने बाइक को रोकने के दौरान फायरिंग कर दिया गया। इसमें पीएसआई चंदन कुमार और जवान जख्मी हो गए।

अंचल राजस्व कर्मचारी के हड़ताल पर जाने से विकास कार्य बाधित, आम जनता की बढ़ी परेशानी

- 17 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चित कालीन हड़ताल पर गए है कर्मी

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ के आह्वान पर डुमरांव प्रखंड में विगत चार मार्च से कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। जिसके कारण अंचल कार्यालय सहित पंचायतों में राजस्व का कामकाज पूरी तरह से ठप हो गया है। कर्मचारी संघ ने 17 सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल कर सरकार के नीतियों का विरोध किया है, कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में कर्मचारियों की ग्रेड पे में 2800 रुपये की वृद्धि और अपने गृह जिले में पदस्थापन की मांग शामिल है। कर्मचारियों का कहना है कि ना तो उन्हें सम्मानजनक ग्रेड पे मिल रहा है और ना ही अन्य सुविधाओं का लाभ, ऐच्छिक स्थानांतरण का लाभ नहीं मिलने से वे घर से दूर काम करने को मजबूर है। कर्मचारियों की हड़ताल के चलते न केवल अंचल कार्यालय बल्कि पंचायतों में भी आम जनता का कार्य प्रभावित हो रहा है। भूमि संबंधित कार्य, नामांतरण, खाता सुधार और अन्य सरकारी सेवाएं पूरी तरह से बाधित हो गई है। हड़ताल के कारण आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, और पंचायत के विभिन्न कार्य रुकने से लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसा नहीं की सभी कर्मचारी हड़ताल पर है। डुमरांव अंचल में एक दो कर्मचारी अपना उपस्थित भी दर्ज करा रहे है। लेकिन जब काम की बारी आती है तो उनके द्वारा हड़ताल का बहाना बनाकर फरियादियो को टरका दिया जा रहा है। राजस्व कर्मचारि का कहना है कि जब तक हम लोगों की मांगें पूरी नहीं होती है, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इस हड़ताल से न केवल सरकारी कामकाज प्रभावित हो रहा है, बल्कि ग्रामीण इलाकों में विकास के कार्यों की रफ्तार भी धीमी पड़ गई है। कर्मचारियों ने कहा कि उनकी मांगें उचित है और सरकार को इन पर शीघ्र विचार करना चाहिए। वही 15 मार्च तक ऑनलाइन जमाबंदी में सुधार को लेकर शिविर लगाना था। जारी आदेश में आलोक में स्थानीय लोग अपना दास्तावेज लेकर पहुंच रहे है। लेकिन कार्य नहीं होने से हतास होकर घर भी लौट रहे है। डुमरांव नगर का एक छात्र मेधावी छात्रवृत्ति का फॉर्म भरने के लिए अंचल कार्यालय में जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए दिया था। जिसमें कर्मचारियों का रिपोर्ट लगाना अनिवार्य है। हड़ताल के कारण जाती प्रमाण पत्र में रिपोर्ट तक नहीं लगा है। जिसके कारण छात्र का फार्म नहीं भरा सकेगा।

आदर्श आचार संहिता उल्लघंन में भोजपुरी स्टार पवन सिंह हुए बरी

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय ने सोमवार को भोजपुरी सिनेमा के अभिनेता पवन सिंह को आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में बरी कर दिया है। लोकसभा चुनाव 2024 में निर्दलीय प्रत्याशी रहे पवन सिंह के विरुद्ध आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र में चार मामला दर्ज हुआ था। सोमवार को कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में उन्हें बरी कर दिया। लोकसभा चुनाव के दौरान पवन सिंह पर आरोप लगा था कि उन्होंने निर्धारित से अधिक वाहनों के काफिले के साथ चुनाव प्रचार किया था। इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन मान पर उन पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। संझौली थाने में अंचल अधिकारी की शिकायत पर उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। विदित हो कि पिछले लोकसभा चुनाव में भोजपुर स्टार पवन सिंह ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में तालठोकी थी। उन्होंने दमदार प्रदर्शन किया था। हालांकि वह जीत नहीं पाए थे। परंतु वह दूसरे स्थान पर काबिज रहे थे।

स्नेहा कुशवाहा मौत मामले में महागठबंधन सांसदों का प्रदर्शन

- स्नेहा की संदिग्ध मौत वाराणसी के रामेश्वरम गर्ल्स हॉस्टल, भेलूपुर में हुई थी
- एक महीने बाद भी नहीं मिला न्याय

केटी न्यूज/सासाराम

सासाराम की बेटी स्नेहा कुशवाहा को न्याय दिलाने का मामला सोमवार को संसद तक पहुंच गया। महागठबंधन के सांसदों ने संसद परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। काराकाट सांसद राजाराम सिंह के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में कई प्रमुख नेता शामिल हुए। इनमें सासाराम के कांग्रेस सांसद मनोज कुमार, औरंगाबाद के राजद सांसद अभय कुशवाहा, राजद सांसद मनोज झा और मिसा भारती प्रमुख थे। सभी ने स्नेहा कुशवाहा को न्याय दो और बिहार की बेटी को न्याय दो के नारे लगाए। दरअसल, स्नेहा(17) की संदिग्ध मौत वाराणसी के रामेश्वरम गर्ल्स हॉस्टल, भेलूपुर में हुई थी। परिवार को इसकी सूचना 2 फरवरी 2025 को मिली। परिजनों का आरोप है कि मारपीट के बाद स्नेहा की हत्या कर दी गई। सांसद राजाराम सिंह ने कहा कि एक महीने बाद भी न्याय नहीं मिला है। पुलिस का रवैया पीड़ित परिवार के प्रति अच्छा नहीं रहा। उन्होंने हाईकोर्ट के जज से जांच कराने की मांग की है। इस मामले को लेकर रोहतास और कैमूर में कई बार बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। अब संसद में मामला उठने से लोगों को न्याय की उम्मीद जगी है। महागठबंधन के सांसदों ने केंद्र सरकार के साथ बिहार और उत्तर प्रदेश सरकार की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं।

स्वर्गीय विश्वनाथ शरण अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी की स्मृति में आयोजित हुआ था मैच

एकदिवसीय महिला फुटबॉल टूर्नामेंट में मुजफ्फरपुर ने देवघर को 2-0 से हराया

केटी न्यूज/जहानाबाद

स्वर्गीय विश्वनाथ शरण अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी की स्मृति में ढोंढा हाई स्कूल के खेल मैदान में आयोजित एकदिवसीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता में मुजफ्फरपुर ने देवघर को हराकर जीत दर्ज की। मुजफ्फरपुर और देवघर की महिला टीमों के बीच हुए इस रोमांचक मुकाबले में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन किया। मध्यांतर से पहले देवघर की टीम ने बढ़त बनाई। जिससे मुजफ्फरपुर की टीम दबाव में आ गई। लेकिन मध्यांतर के बाद मुजफ्फरपुर की टीम ने शानदार वापसी करते हुए मैच को बराबरी पर ला दिया। मैच के दौरान छोटे-छोटे पास और सटीक रणनीति के कारण दर्शकों को रोमांचक खेल देखने को मिला। मैच निर्णायक मंडल द्वारा ट्राई ब्रेकर तक पहुंचा, जहां मुजफ्फरपुर की टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की। इस जीत से खिलाड़ियों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद डॉ. अरुण कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और फुटबॉल पर किक

मारकर मैच का उद्घाटन किया। इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष रानी कुमारी, भारतीय पंचायत के मुखिया हेमंत शरण, पैक्स अध्यक्ष राम संतोष शर्मा समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के समापन पर संस्था के सदस्यों द्वारा मैथिली शरण, बैजनाथ शरण, रामबाबू आदि ने विजेता और उपविजेता टीमों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि डॉ. अरुण कुमार ने इस आयोजन को महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया, वहीं रानी कुमारी ने कहा कि आज हमारी बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और सरकार भी उनके विकास के लिए लगातार सहयोग कर रही है। सरकार की ओर से यह प्रयास किया जा रहा है कि महिलाओं व लड़कियों को आगे बढ़ाया जाए। उन्हें हर तरह से मदद की जाए। इस टूर्नामेंट के साथ भवरू गोपी खेल महोत्सव का नौ दिवसीय आयोजन विधिवत संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

होली से पहले वंदे भारत सहित इन ट्रेनों में सीटें हुईं फुल, यात्रियों की बढ़ेगी परेशानी

जमशेदपुर, एजेंसी। लौहनगरी से अधिकतर शहरवासी होली के लिए अपने पैतृक आवास बिहार जाते हैं, लेकिन ट्रेनों में अभी से सीटें फुल हो चुकी हैं। अलग-अलग श्रेणी में सीटें अनुपलब्ध बता रही है। टाटानगर से मुख्यत- तीन ट्रेनें हैं, जो पटना के लिए जाती हैं। इसमें वंदे भारत एक्सप्रेस के अलावा टाटा-बक्सर व टाटा-पटना साउथ बिहार एक्सप्रेस शामिल है, लेकिन 10 से लेकर 13 मार्च तक इन ट्रेनों में एक भी सीट उपलब्ध नहीं है। ऐसे में बिहार जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि सेकेंड सीटिंग से लेकर स्लीपर, थर्ड एसी इकोनॉमी, थर्ड एसी, सेकेंड एसी तक की सभी सीटें पूरी तरह से फुल हो चुकी हैं। ऐसे में ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के समक्ष जनरल डिब्बा ही एकमात्र उपाय है या फिर उन्हें दूसरे माध्यम के रूप में सड़क मार्ग से बिहार जाना होगा, क्योंकि किसी भी ट्रेन में कोई भी सीट बची नहीं है।

वाणिज्य कर विभाग के 100 से अधिक कर्मचारियों को दो माह से वेतन नहीं

रांची, एजेंसी। वाणिज्य कर विभाग के 100 से ज्यादा कर्मचारियों को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है. वेतन नहीं मिलने का मुख्य कारण निकासी एवं व्ययन पदाधिकारियों (डीडीए) का नहीं होना है. वाणिज्य कर अधिकारियों को वेतन नहीं मिलने का मामला विभाग के पांच प्रमंडलों के 17 अंचलों से संबंधित है. विभाग के रांची प्रमंडल के पश्चिमी अंचल ,दक्षिणी अंचल और वैट ट्रिब्यूनल में पदस्थापित राजपत्रित और अराजपत्रित कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है. वाणिज्यकर धनबाद प्रमंडल के धनबाद शहरी अंचल, बोकारो और चिरकुंडा अंचल में पदस्थापित अधिकारियों कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है. जमशेदपुर प्रमंडल के अदित्यपुर, जमशेदपुर शहरी, सिंहभूम और चाईबासा अंचल के अधिकारियों कर्मचारियों के वेतन नहीं मिला है. इसके अलावा दुमका प्रमंडल के साहिबगंज, देवघर, पाकुड़ और हजारीबाग प्रमंडल के रामगढ़, गिरिडीह, कोडरमा अंचल के राजपत्रित और अराजपत्रित कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है. इन अंचलों में डीडीओ के रूप में नामित अधिकारियों में से कुछ अधिकारी सेवानिवृत हो गये है. जबकि कुछ अंचलों के डीडीओ का तबादला हो गया है. इसके बाद संबंधित अंचलों में सरकार ने किसी को डीडीओ की शक्तियां नहीं दी है. इससे वेतन की निकासी संभव नहीं हो रहा है.

गिरिडीह में किराना व्यवसायी के घर पर नकाबपोश अपराधियों ने बोला धावा, लूट लिया नगद व जेवरात

गिरिडीह, एजेंसी। जिले के जमुआ में एक घर में डाका पड़ा है। नकाबपोश अपराधियों ने किराना दुकानदार के घर पर धावा बोलकर लूटपाट की है। भुक्तभोगी मनोज साव ने घटना को लेकर बताया कि शुक्रवार की रात लगभग 2 बजे शटर तोड़कर अपराधी पहले उसके दुकान में घुसे फिर घर के अंदर आए और पूरे परिवार को बंधक बनाकर लूटपाट की। उन्होंने बताया कि अपराधी 6 से 7 की संख्या में थे और सभी ने नकाब पहन रखा था। अपराधी उसके घर के अंदर लगभग आधा घंटा तक रहे। इस दौरान 8 लाख नगद और 12 लाख के जेवरात की लूट कर ली, दुकानदार मनोज ने बताया कि रात में जैसे ही अपराधी उसके घर के अंदर दाखिल हुए तो पूरे परिवार को कब्जे में ले लिया। हाथ में देसी कट्टा और लोहे की रॉड लेकर दाखिल हुए अपराधियों ने परिवार को मारने की धमकी देना शुरू कर दिया। फिर नगदी और जेवरात लूट कर फरार हो गए।दूसरी तरफ घटना की सूचना पर जमुआ थाना पुलिस पहुंची और पूरी घटना की जानकारी ली। पुलिस द्वारा अपराधियों की कद काठी के बारे में जानकारी ली गई। साथ ही अपराधी किस भाषा में बात कर रहे थे, किधर से अपराधी आए, फिर किधर भागे। पूरी जानकारी लेने के बाद जमुआ थाना प्रभारी ने मामले से एसपी और एसडीपीओ को अवगत करवाया।

कुर्मी समुदाय को आदिवासी घोषित करने का मामला,

हेमंत सरकार ने बिहार और केंद्र से पूछ दिया अहम सवाल

रांची, एजेंसी। झारखंड में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक तौर पर प्रभावी कुर्मी समुदाय आदिवासी का दर्जा पाने को पुराने दस्तावेजों का हवाला देते हैं। लंबे समय से इनसे संबद्ध जातीय संगठन स्वयं को जनजाति की श्रेणी में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। झारखंड सरकार के कार्मिक विभाग ने इसपर स्थिति स्पष्ट करने के लिए बिहार सरकार व केंद्र सरकार से सूचना मांगी है।

बगोदर के विधायक नागेन्द्र महतो ने कार्मिक विभाग से इससे संबंधित पूछे गए एक सवाल में हवाला दिया है कि कुर्मी समुदाय 1931 में जनजातियों की सूची में शामिल थे, लेकिन 1950 में इसे शिड्यूल ट्राइब नहीं बनाया गया। कुर्मी को उस सूची से हटा दिया गया, जबकि छोटानागपुर शिड्यूल ट्राइब डिस्ट्रिक्स एक्ट, 1874 पारित किया गया था, जो 25 नवंबर, 1949 तक लागू था। कार्मिक विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस बिंदु पर भारत सरकार एवं बिहार सरकार से वांछित सूचनाएं मांगी जा रही है।इस संदर्भ में वर्ष 1911 की जनगणना का भी हवाला देते हुए कहा गया है कि उसमें कुर्मी को आदिवासी लिखा गया है, जिसे 1913 में 12 जनजाति के साथ

भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1965 से अलग रखा गया है। इसपर कहा गया है कि गजट आफ इंडिया की प्रकाशित अधिसूचना के मुताबिक एकीकृत बिहार एवं ओडिशा प्रांत में भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम से मुंडा, उरांव, संताल, हो, भूमिज, खड़िया, घासी, गोंड, कांध, कोरबा, कुर्मी, माल सौरिया और पान को अलग रखा गया था। इसके अतिरिक्त कार्मिक विभाग ने स्पष्ट किया है कि 1911 की जनगणना से संबंधित अभिलेख व आंकड़े विभाग के पास उपलब्ध नहीं है। कार्मिक विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट), 1908 में कुर्मी का बतौर आदिवासी रैयत उल्लेख नहीं है।

28 फरवरी, 2025 को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के पत्रांक-547 का संदर्भ देते हुए कार्मिक विभाग ने कहा है कि छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट, 1908 में कहीं भी कुर्मी जनजाति को आदिवासी रैयत कहे जाने का उल्लेख नहीं किया गया है। इसके अलावा बिहार शिड्यूल एरियाज रेगुलेशन, 23 जून, 1962 को जारी पिछड़े वर्गों की सूची में सीएनटी एक्ट की धारा- 46 (एक)(बी) में कुर्मी (महतो) अंकित हैं।उल्लेखनीय है कि यह धारा स्पष्ट करती है कि इसके तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अत्यंत पिछड़े वर्ग के लोग अपनी जमीन को अपनी ही जाति या वर्ग के लोगों को छोड़कर दूसरे के नाम पर नहीं हस्तांतरित कर सकते। झारखंड सरकार ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया है कि कुरमी/कुर्मी (महतो) को यथास्थिति बनाए रखने की आवश्यकता है। यानि वे ओबीसी में ही शामिल रहेंगे और उन्हें जनजाति का दर्जा नहीं दिया जा सकता है।

दुमका में अवैध कोयला खनन के खिलाफ कार्रवाई, दस कोयला खदानें और सुरंगें ध्वस्त

दुमका, एजेंसी। जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के बादलपाड़ा इलाके में अवैध उत्खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रशासन ने दस कोयला खदानों और सुरंगों को ध्वस्त कर दिया है। प्रशिक्षु आईएएस सह प्रभारी एसडीएम अभिनव प्रकाश के नेतृत्व में एक टीम कोयला खदान क्षेत्र में पहुंची और जेसीबी व अन्य मशीनों के जरिए दस कोयला खदानों को ध्वस्त किया।

इस टीम में शिकारीपाड़ा के अंचलाधिकारी कपिलदेव ठाकुर, थाना प्रभारी अमित लकड़ा, खनन विभाग के अधिकारी के साथ दुमका से आई महिला व पुरुष पुलिस बल शामिल थे।

प्रशिक्षु आईएएस सह प्रभारी एसडीएम अभिनव प्रकाश ने बताया कि इस इलाके में ये कोयला खदानें सरकारी व रैयती (निजी) जमीन पर बनी हैं। ज्यादातर कोयला स्थानीय लोगों द्वारा चोरी कर निकाला जाता है। इस तरह की अवैध कोयला खदानों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। हालांकि ऐसा लग रहा था कि कोयला माफियाओं को इस कार्रवाई की भनक लग गई थी। यही कारण रहा कि मौके पर न तो कोयला मिला, न ही इसमें संलिप्त कोई व्यक्ति या अन्य उपकरण।

यहां हम आपको बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा दुमका में 15 कोल ब्लॉक चिह्नित किए गए हैं। जिन्हें अलग-अलग कंपनियों को आवंटित भी किया गया है लेकिन अभी तक सभी चिन्हित कोल ब्लॉक कागजी प्रक्रिया पूरी करने की प्रक्रिया में हैं।

इसका फायदा ये कोल माफिया उठाते हैं और अवैध तरीके से कोयला उत्खनन करते हैं। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद माफिया फिर से सक्रिय हो जाते हैं वैसे तो पिछले दो सालों में कई बार ऐसी कार्रवाई की गई है। जिसमें अवैध कोयला खदानों और सुरंगों पर कार्रवाई की गई लेकिन जैसे ही ऐसी कार्रवाई बंद होती है, कोल माफिया फिर से सक्रिय हो जाते हैं और कोयले का अवैध उत्खनन शुरू कर देते हैं।

रांची पुलिस की नशे के सौदागरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, अवैध हथियार के साथ तीन अफीम तस्कर गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। अफीम के साथ हथियार की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन तस्करों को रांची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार तस्करों के पास से पुलिस ने अफीम और हथियार भी बरामद किया गया है. रांची एसएसपी सह डीआईजी चन्दन कुमार सिन्हा की सूचना पर नशे के सौदागरों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. एसएसपी को यह सूचना मिली थी की चतरा के कुछ अफीम तस्कर अफीम लेकर रांची के रास्ते जाने वाले हैं.

जानकारी मिलने पर रांची के सिटी डीएसपी केवी रमन के नेतृव में एक टीम गठित की गई. टीम में लोअर बाजार थाना की पुलिस भी शामिल थी. टीम को यह सूचना मिली थी कि चतरा से निकल कर ये तस्कर रांची के लोअर बाजार इलाके में डेरा डाले हुए हैं. कड़ी निगरानी और लोकल इंटेलिजेंस के आधार पर टीम ने लोअर बाजार थाना क्षेत्र से तीन अफीम तस्करों को गिरफ्तार कर लिया.

गिरफ्तार तस्करों के पास से 550 ग्राम तैयार अफीम, एक देसी पिस्तौल, तीन जिंदा गोली बरामद किया गया है. गिरफ्तार तस्करों में मोहन लोहरा, कुंवर मुंडा और बिरसा मुंडा शामिल हैं. तीनों की गिरफ्तारी लोअर बाजार बिरसा मुंडा बस टर्मिनल के पास से की गई गई. गिरफ्तार तस्करों ने चतरा से अफीम कलेक्ट किया था जिसे हर हाल में झारखंड से बाहर भेजना था, लेकिन उससे पहले ही सभी पकड़े गए.

मामले में जानकारी देते हुए रांची के सिटी डीएसपी केवी रमन ने बताया की तीन अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. गिरोह के लिंक कहां-कहां से जुड़े हुए हैं इसकी जांच की जा रही है. जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

किसानों को अब टमाटर की खेती में नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा

टमाटर अब सोलर ड्रायर में सुखाए जाएंगे

लातेहार, एजेंसी। जिले के किसानों को अब टमाटर की खेती में नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा. किसानों के टमाटर अब सोलर ड्रायर में सुखाए जाएंगे. जिससे उन्हें टमाटर की अच्छी कीमत मिल पाएगी. सरकार की इस महत्वाकांक्षी पहल की शुरुआत लातेहार के बालूमाथ से की गई है.

बड़े पैमाने पर होती है टमाटर की खेती : दरअसल, लातेहार जिले के बालूमाथ, हेरहंज, बरियातू समेत अन्य प्रखंडों में बड़े पैमाने पर टमाटर की खेती की जाती है. बंपर उत्पादन होने के कारण स्थिति ऐसी हो जाती है कि किसानों को टमाटर की खेती में लागत मूल्य भी मिलना मुश्किल होने लगता है. टमाटर की कीमत 1 प्रति किलो मिलना भी कठिन हो जाता है. ऐसी स्थिति बनने पर किसानों को प्रत्येक वर्ष बड़ा नुकसान हो जाता है.

ऐसे काम करती है मशीन : किसानों को नुकसान से बचाने के लिए सरकार के द्वारा इस वर्ष एक नई पहल की गई है. इसके तहत जिन प्रखंडों में अधिक टमाटर की खेती होती है, वहां सोलर ड्रायर प्लांट लगाकर टमाटरों को सुखाने की व्यवस्था की जा रही है. सोलर ड्रायर मशीन में टमाटर को टुकड़ों में काटकर मशीन में डाल दिया जाता है. इसके बाद मशीन टमाटर के टुकड़ों को सुखा देती है. लगभग 15 किलो टमाटर को

सुखाने पर 1 किलो सूखा हुआ टमाटर प्राप्त होता है. सूखे हुए टमाटर की कीमत बाजार में आसानी से 250 से लेकर 280 रुपये प्रति किलो की दर से मिल जाती है.

किसानों में उत्साह : इधर, सरकार के द्वारा सोलर ड्रायर प्लांट स्थापित किए जाने से किसानों में काफी उत्साह दिख रहा है. स्थानीय किसानों का कहना है कि हर साल उन्हें टमाटर की खेती में नुकसान होता था, लेकिन अब जब सोलर ड्रायर प्लांट की स्थापना के बाद अब उन्हें नुकसान नहीं उठाना पड़ेगा. किसानों ने बताया कि टमाटर का अधिक उत्पादन होने के कारण सीजन में यहां एक रुपये प्रति किलो की दर से भी कोई टमाटर खरीदने वाला नहीं होता है. इस कारण वे लोग अपने टमाटर को खेत में ही छोड़ देते हैं, लेकिन सोलर ड्रायर की स्थापना हो जाने से टमाटरों को सुखाकर सुरक्षित रखा जा सकता है और उसे बेचकर अच्छी कमाई भी की जा सकती है.

वहीं डीसी उत्कर्ष गुप्ता ने बताया कि लातेहार के किसानों को टमाटर की खेती में नुकसान से बचाने के लिए सरकार के द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि जिले के बालूमाथ प्रखंड के बनियों गांव में सोलर ड्रायर का पहला संयंत्र लगाया गया है. यदि यह सफल रहा तो सभी प्रखंडों में जहां टमाटर की खेती होती है, वहां यह प्लांट लगाया जाएगा.

पीएलएफआई के पांच नक्सली गिरफ्तार, हथियार और कारतूस भी बरामद

खूंटी, एजेंसी। पीएलएफआई के मोस्ट वांटेड नक्सली महाबीर गोप की गिरफ्तारी के दो दिन बाद कर्रा पुलिस ने हथियार व कारतूस के साथ पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे, तभी पुलिस ने पवन कुमार उर्फ पवन महतो, कर्मा बारला, सेंटू सिंह, अभय कुमार सिंह उर्फ अमन सिंह व दीपक मुंडा को गिरफ्तार कर लिया. इनके पास से एक देसी कार्बाइन मैगजीन के साथ एक जिंदा गोली, पीएलएफआई के छह पर्चे, चार बाइक, पांच मोबाइल फोन व एक बैग बरामद किया गया है.

एएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने कर्रा थाने में प्रेस वार्ता कर गिरफ्तारी का खुलासा किया है. उन्होंने बताया कि एसपी अमन कुमार को आठ मार्च की शाम गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के कुछ नक्सली कर्रा थाना क्षेत्र के एक जंगल में बैठक कर बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं. सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए एएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया.

उन्होंने बताया कि टीम में इंस्पेक्टर

अशोक सिंह, रनिया प्रभारी विकास जायसवाल, जरियागढ़ प्रभारी राजू कुमार और कर्रा प्रभारी मनीष कुमार को शामिल किया गया.

गठित टीम ने पीएलएफआई के मुखबिरों समेत तकनीकी सहयोग से रोन्हे जंगल में छापेमारी अभियान चलाया. सभी बैठक कर संगठन का विस्तार करने, लेवी वसूलने और ठेकेदारों के साइट पर फायरिंग कर दहशत फैलाने की योजना बना रहे थे. इस बीच गठित टीम ने सभी को गिरफ्तार कर लिया, हालांकि कुछ भागने में सफल रहे. फरार युवकों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

एएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों ने पुलिस को कई नक्सलियों और उनके सफेदपोश सहयोगियों के नाम बताए हैं. उन्होंने बताया कि अब पीएलएफआई को स्थानीय स्तर पर कैडर नहीं मिल रहे हैं. इस कारण इसके शीर्ष नेता बाहर से युवकों को लालच देकर बुलाते हैं. उन्हें अच्छे कपड़े, बाइक, मोबाइल फोन आदि देकर संगठन के लिए काम कराया जाता है. एएसपी ने बताया कि जल्द ही पीएलएफआई नक्सलियों का सफाया कर दिया जाएगा. संगठन के शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार करने की दिशा में पुलिस काम कर रही है.

होली के मौके पर बिहार में भारी मात्रा में अवैध शराब की सप्लाई, पंजाब से पटना जा रहे ट्रक से 715 पेटी लिकर बरामद

गढ़वा, एजेंसी। जिले के श्री बंशीधर नगर थाने की पुलिस को होली से पहले बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने उत्तर प्रदेश के रास्ते बिहार ले जा रही एक ट्रक अवैध विदेशी शराब को जब्त किया है. जब्त शराब लगभग 45 लाख रुपए की बताई जा रही है. यह जानकारी रविवार को श्री बंशीधर नगर थाना में सडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने दी.

एसडीपीओ ने बताया कि एसपी के द्वारा गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि उत्तर प्रदेश की ओर से अवैध विदेशी शराब लोड एक ट्रक नगर ऊंटारी थाना क्षेत्र के पाल्हे कला निमियाडीह स्थित एनएच 75 के किनारे एक ढाबे पर खड़ा है. एसडीपीओ ने बताया कि एसपी के निर्देशानुसार उनके नेतृत्व में एक टीम गठित कर कार्रवाई की गई. मौके से अलग-अलग कंपनी के 715 पेटी विदेशी शराब बरामद की गई है.

धान की भूसी के बीच छिपाई गई थी शराब : गठीत टीम द्वारा ढाबे के पास पहुंच कर पूरे मामले की जांच की गई. जांच के

दौरान ढाबा के बाहर खड़ी मध्य प्रदेश नंबर ट्रक की भी जांच की गई. जांच के दौरान चालक से ट्रक में लोड सामान के बारे में पूछताछ की गई तो चालक के द्वारा ट्रक में प्लास्टिक स्क्रैप लोड होने की बात बताई गई. चालक से जब प्लास्टिक स्क्रैप से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया तो वह दस्तावेज सही नहीं पाया गया. जिसके बाद चालक के सामने ट्रक को खोला गया तो ट्रक में धान की भूसी से भरी प्लास्टिक बोरी पाई गयी. जिसे हटाने पर अवैध विदेशी शराब होने की खुलासा हुआ.

पंजाब से बिहार ले जाई जा रही थी शराब : एसडीपीओ ने बताया कि पूछताछ के क्रम में ट्रक चालक ने बताया कि अवैध विदेशी शराब को संगठित गिरोह के द्वारा पंजाब से पटना में होली त्यौहार के लिए सप्लाई की जानी थी. पुलिस और सेल टैक्स ऑफिसर से बचने के लिए गुरुजी नाम के व्यक्ति फोन पर लोकेशन देते हुए चल रहा था. बाद में पुलिस ट्रक को जब्त कर थाने ले आई. साथ ही चालक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

जमशेदपुर के इन 16 घरों में चलेगा बुलडोजर, जारी हुआ आदेश

जमशेदपुर, एजेंसी। स्वर्णरेखा नदी के किनारे बसे 16 अतिक्रमणकारियों पर अब कभी भी गाज गिर सकता है। दायर किए गए वादों की अलग-अलग तिथियों में हुई सुनवाई के बाद अब अंतिम आदेश पारित करते हुए सेक्शन 6 (2) के तहत अतिक्रमित भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए नोटिस दिया जा चुका है।

मानगो के अंचल अधिकारी ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव ने उपायुक्त व उप विकास आयुक्त को इस संबंध में अवगत करा दिया है। उन्होंने बताया कि अब प्रशासन की ओर से जिस दिन पुलिस फोर्स के साथ मजिस्ट्रेट की नियुक्ति होती है, उस दिन अतिक्रमित भूमि से अतिक्रमण हटा दिया जाएगा।

एनजीटी के आदेश के बाद जांच की गई थी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के पारित आदेश के अनुपालन में जिला प्रशासन के आदेश के बाद मानगो अंचल अंतर्गत स्वर्णरेखा नदी के किनारे सरकारी जमीन को

अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

अतिक्रमण कर बनाए घर मकान की जांच अंचलाधिकारी ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव की टीम द्वारा की गई थी। जांच में पाया गया कि 16 लोग सरकारी जमीन पर कब्जा करके घर बनाए हुए हैं।

सभी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ वाद दायर की गई थी। इस पर कार्रवाई के लिए फाइनल रिपोर्ट बनाकर जिला प्रशासन को भेज दी गई है।

स्वर्णरेखा नदी के किनारे अतिक्रमण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार उन 16 लोगों को चिन्हित किया गया है, जिन्होंने सरकारी जमीन पर घर बनाया है।

चिन्हित अतिक्रमणकारियों में भालु यादव, महेंद्र यादव, रमेश प्रसाद, सुरेंद्र यादव, शंकर यादव, मनोज गौड़, राजू राय, नवीन रूहीदास, ललन यादव, अखई कैवर्त, जेएल शर्मा, साईं सूरज आश्रम, मनोहर कैवर्त, गनौरी वर्मा, हरि भुइयां और रिंकू दास का नाम शामिल है।

नागरिकों की शिकायत पर एसडीएम के पत्रांक संख्या 290 दिनांक 01-03-2025 के आलोक में अंचल पदाधिकारी पंकज कुमार ने हरही नदी जपला हैदरनगर रोड स्थित किला रोड जाने वाली सड़क के अतिक्रमण का जायजा लिया।

उन्होंने अतिक्रमण करने वाले लोगों को अपनी जमीन का नापी कर अतिक्रमण कर निर्माण को हटाने का निर्देश दिया। अंचल पदाधिकारी ने हुसैनाबाद सब्जी बाजार में भी अवैध रूप से सड़क पर ठेला खोमचा की दुकान हटवाया। नगर पंचायत की ओर से भी माइकिंग कर अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई है।

कांग्रेस नेत्री अंबा प्रसाद ने किया ओडिसी क्लासिकल डांस

हजारीबाग, एजेंसी। कांग्रेस नेत्री अंबा प्रसाद आज तक अपनी राजनीति नहीं बल्कि अपनी डांस की वजह से सुर्खियों में हैं. बड़कागांव विधानसभा की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद का एक नृत्य वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. जिसमें वह क्लासिकल ओडिसी डांस परफॉर्म कर रही हैं. कभी घुड़सवारी और तो कभी खुद से ड्राइविंग कर विधानसभा पहुंचने वाली अंबा प्रसाद का भारतीय शास्त्रीय नृत्य लोगों को खासा पसंद आ रहा है.

सोशल मीडिया पर जो वीडियो वायरल है उसमें अंबा प्रसाद भारत के ओडिशा राज्य के क्लासिकल डांस ओडिसी नृत्य कर रही हैं. ओडिसी एक अभिजात नृत्य शैली है. यह नृत्य शैली काफी प्राचीन है. छठी से नौवीं शताब्दी के शिलालेखों में इसका उल्लेख मिलता है. यह डांस ओडिशा के सबसे पुरानी नृत्य शैलियों में से एक है.

अंबा प्रसाद ने बताया कि उन्हें राजनीति के अलावा कला का क्षेत्र भी काफी पसंद है. जिस कारण पिछले कई सालों से ओडिसी नृत्य कला का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं. पिछले कई सालों से हर रविवार के दिन वह एक राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त कलाकार से इस कला की दीक्षा हासिल कर रही हैं. उन्होंने यह भी बताया कि महिला दिवस के अवसर

पर महिलाओं को जागरूक करने के लिए कुछ अलग दिखना था. जिस कारण से इस नृत्य कला के परफॉर्मेंस को उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया था. जिससे महिलाओं के आत्मविश्वास को और भी संबल मिल पाए.झारखंड के बड़कागांव विधानसभा से पूर्व विधायक का अंबा प्रसाद कला के क्षेत्र में एक खास पहचान बना रही है. इससे पूर्व भी उनका सरहुल के ऊपर गाया गीत और नृत्य लोगों के द्वारा काफी पसंद किया गया. वीडियो काफी लोकप्रिय हुआ. लोगों ने जमकर इसका आनंद उठाया. आने वाले वर्षों में अंबा प्रसाद किसी बड़े मंच पर अपनी कला को अगर प्रदर्शित करें तो या कोई बड़ी बात नहीं होगी.

घर में पड़े ट्रॉफी और मेडल को लग रही है जंग, तो संभालने के लिए अपनाएं ये हैक्स

घर में पड़े लोहे और स्टील से बने सामान पुराने होने पर जंग खाने लगते हैं। ऐसा पानी और हवा में नमी के कारण होता है। अक्सर आपने लोहे वाले दरवाजे और खिड़कियों पर जंग लगते हुए देखा होगा। कई बार स्टोर में रखे हुए बर्तन और तांबे के बर्तनों में जंग लगते हुए आपने देखा होगा। इसी तरह ट्रॉफी और मेडल भी लंबे समय तक पड़े रहने की वजह से जंग खाने लगते हैं। कई लोगों के ट्रॉफी और मेडल का हाल ऐसा हो जाता है कि यह पूरी तरह से काले हो जाते हैं। इनपर लिखी हुई चीजें भी जंग लगने कारण गायब हो जाती है। आज के इस आर्टिकल में हम आपको ट्रॉफी और मेडल को जंग लगने से बचाने के कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिससे आप सालों तक इसे संभालकर रख सकते हैं।

ट्रॉफी और मेडल को जंग लगने से कैसे बचाएं?

अक्सर लोग ट्रॉफी और मेडल को अपने घर की ऊपर की दीवारों और अलमारी में सजाकर रखना पसंद करते हैं। कई लोग हैं, जो इसे अपने बेड और टेबल पर भी सजा कर रखते हैं। लेकिन लोग इसे बस सजाने के लिए रखकर छोड़ देते हैं, लेकिन इसकी रोज सफाई नहीं करते हैं। ट्रॉफी और मेडल पर हर दिन धूल-मिट्टी चढ़ती रहती है। इस वजह से यह समय के साथ काले पड़ने लगते हैं। अगर आप ट्रॉफी और मेडल को हमेशा नए जैसा रखना चाहते हैं, तो हर दिन आप इसे साफ कपड़े साफ करें। अगर आप हर दिन एक बार इनपर साफ कपड़ा मारते हैं, तो इन्हें जंग लगने से रोका जा सकता है।

ट्रॉफी और मेडल को कहां रखें?

कीचन या कूलर वाले कमरे में ट्रॉफी और मेडल रखने से भी इनपर जंग पड़ने लगता है। क्योंकि कूलर की हवा में नमी ज्यादा होती है। इसके अलावा किचन के पास वाले कमरे में अगर आपने अपनी ट्रॉफी और मेडल को सजाकर रखा है, तो इसकी वजह से भी इनपर जंग लगने लगता है। क्योंकि किचन में खाना बनने के कारण हवा में नमी और गर्मी अधिक होती है। इसलिए आप अपनी ट्रॉफी और मेडल को इन जगहों से दूर रखें। आप एल्युमिनियम फॉयल की मदद से भी जंग को हटाना सकते हैं।

ट्रॉफी और मेडल को इस तरह करें कवर

अगर आप ट्रॉफी और मेडल को सालों तक नए जैसा रखना चाहते हैं, तो आपको इसे कवर करके रखना चाहिए। आप इन्हें किसी ऐसी विजिबल पॉलीथिन में रख सकते हैं, जिसमें हवा न जाएं। इसके अलावा इन्हें को अलमारी में भी बंद करके रख सकते हैं। ट्रॉफी और मेडल को जितना हवा, धूल मिट्टी और पानी से बचाया जाएगा, उतनी ही यह लंबे समय तक चमकते रहेंगे।

आज के समय में बच्चों को सिर्फ शिक्षित होना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें सामाजिक बनाना भी बेहद जरूरी है। तो चलिए कैसे उन्हें सोशल बना सकते हैं, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

सिर्फ एजुकेशन ही काफी नहीं!

बच्चों की सोशल एक्टिविटी भी बढ़ाएं

कुछ लोगों की तारीफ में आपने सुना होगा कि वह पढ़ा भले नहीं, लेकिन कढ़ा है। यह कढ़ा होना असल में किसी के सामाजिक होने की पहचान है। बच्चों में भी यह गुण विकसित करना जरूरी है। कई बार माता-पिता बच्चे को पढ़ाने पर तो पूरा जोर देते हैं, लेकिन उसकी सामाजिकता की अनदेखी कर देते हैं। कभी-कभी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चे भी लोगों के साथ रहना और व्यावहारिक बनना नहीं सीख पाते हैं। कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर बच्चों को सामाजिक बनाया जा सकता है।

प्रश्न पूछना सिखाएं

संबंधों को मजबूत बनाने और बच्चों को सहज बनाने में प्रश्नों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए बच्चों को प्रश्न पूछना सिखाएं। उन्हें ऐसे प्रश्न पूछना सिखाएं, जिनका उत्तर केवल हां या ना में देना संभव न हो। आपसे भी बच्चा कोई प्रश्न करे तो उसे सिर्फ हां या ना बोलकर न टालें।

पसंद को पहचानें

बच्चे की पसंद को पहचानें और समान रुचि वाले अन्य बच्चों के साथ खेलने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए आप बच्चे को उसकी पसंद के खेल वाले ग्रुप में भेज सकते हैं। वैसे तो बच्चे का सभी के साथ घुलना-मिलना जरूरी है, लेकिन इसकी शुरुआत अगर अपने जैसी पसंद वालों के साथ हो तो परिणाम और भी बेहतर हो जाता है। असल में यह बच्चे को सामाजिक बनाने की दिशा में पहली सीढ़ी है।

खेल-खेल में सिखाएं

बच्चों के साथ भूमिका बदलकर खेलना उन्हें सिखाने में मददगार होता है। अगर आपको लगता है कि बच्चा किसी से बोलने में हिचकता है, तो खेल-खेल में उसे उसी व्यक्ति की भूमिका निभाने को कहें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि बच्चा किन बातों पर झिझकता है। ऐसे खेल को रोल प्ले कहा जाता है। बच्चे को सामाजिक बनाने में रोल प्ले की कारगर भूमिका हो सकती है।

सहानुभूति की सीख दें

अगर बच्चा लोगों की भावनाओं को समझने लगे, तो वह एक अच्छे और सामाजिक व्यक्तित्व के रूप में निखरकर सामने आता है। इसके लिए जरूरी है कि आप उसे लोगों की भावनाओं का सम्मान करना सिखाएं। उसके सामने किसी की तकलीफ का मजाक न उड़ाएं। एक सामाजिक व्यक्ति में लोगों की भावनाओं का सम्मान करने का सामर्थ्य होना चाहिए।

बनें आदर्श उदाहरण

बच्चे के सामने हमेशा अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखें। लोगों से उसी तरह पेश आएं, जैसी आप अपने बच्चे से उम्मीद करते हैं। आप जैसा करेंगे, बच्चा वैसा ही सीखेगा। इसके अलावा अपने बच्चे की सीमा भी समझें। सभी बच्चे समान रूप से व्यवहार करें, यह जरूरी नहीं है। इस बात को स्वीकारना जरूरी है कि कुछ बच्चे अन्य की तुलना में कम सामाजिक होते हैं। अगर स्थिति चिंताजनक लगे तो डॉक्टर से मिलना चाहिए।

पानी के टैंक को ठंडा रखने के लिए फॉलो करें ये उपाय

गर्मी के मौसम में बाथरूम और किचन के नल से आने वाला पानी इतना उबला हुआ होता है कि इससे नहाना तो दूर की बात है हाथ धोना भी सहन नहीं हो पाता है। आपकी इसी समस्या का आज हम हल लेकर आए हैं।

गर्मियों में पानी के टैंक का पानी गर्म हो जाना आम बात है। चिलचिलाती गर्मी और तेज धूप के कारण ही छत पर रखी पानी की टंकी भी काफी ज्यादा हीट हो जाती है, जिससे सिंक में पानी भी बिल्कुल उबला हुआ निकलता है। आपको भी इस परेशानी का सामना करना ही पड़ता होगा। क्योंकि यह तो समर सीजन में होने वाली हर घर की बड़ी समस्याओं में से एक है। पर, क्या आपको पता है कि आप इसे कूल कैसे रख सकते हैं? अगर नहीं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि टंकी में बिना बर्फ डाले कैसे इसे ठंडा रख सकते हैं।

टैंक को सफेद रंग से रंगें

सफेद रंग गर्मी को अवशोषित नहीं करते हैं। ऐसे में, कोशिश करें कि आप व्हाइट कलर की टंकी ही घर पर लगवाएं। कई जगहों पर पानी की काली टंकी दिखाई देती है, जो गर्मी को बहुत ज्यादा अवशोषित करते हैं। अगर आपका टैंक गहरे रंग का है, तो आप इसे सफेद रंग से पेंट भी कर सकते हैं।

टैंक के चारों ओर गीली मिट्टी लगाएं

मिट्टी आपके वाटर टैंक को ठंडा रखने में मदद करती है। ऐसे में, आप टैंक के चारों मिट्टी की दीवार उठा सकते हैं। अगर दीवार नहीं बनवा सकते हैं, तो कम से कम गीली मिट्टी से भरे गमलों को ही टैंक के आसपास रख दें।

टैंक को छाया में रखें

टैंक को छत पर खुली और सीधी धूप में रखने से बचें। इसकी जगह पानी की टंकी को पेड़ों की छाया या छप्पर के नीचे रखें। अगर संभव हो, तो टैंक को उत्तर की दीवार के पास ही व्यवस्थित कराएं, जहां इसे कम धूप मिले।

टंकी के चारों तरफ लगाएं थर्माकोल

गर्मी के मौसम में पानी की टंकी के चारों तरफ थर्माकोल लगा सकते हैं। थर्माकोल गर्मी का कुचालक होता है, जो टंकी तक अधिक गर्मी को नहीं पहुंचने देता है। ऐसा करने के बाद आपके घर में लगे नलों से उबला हुआ पानी का आना बंद हो सकता है। आपको गर्मी से थोड़ी राहत भी मिल जाएगी।

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दे पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। क्यों न समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1-2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिटेंड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉर्टर्स अलनारी में है तो फ्रिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइंजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉर्टर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।

अपने वॉर्डरोब को करें अपडेट

- एलाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।
- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का भी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोस्टर्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

दांतों की सफाई के अलावा भी कई कामों के लिए काम की साबित हो सकता है टूथपेस्ट

एक समय था जब लोग दांतों की सफाई के लिए टूथपेस्ट जैसी चीजों का इस्तेमाल करते थे। लेकिन आजकल ज्यादातर लोग दांत चमकाने के लिए टूथपेस्ट यूज करते हैं। पर दांतों की सफाई के अलावा और भी कई कामों के लिए टूथपेस्ट बहुत काम की साबित हो सकती है। आप सोच रहे होंगे कैसे? तो आइए आपको बताते हैं टूथपेस्ट को दाग हटाने के लिए कैसे हटाया जा सकता है।

जूतों की करें टूथपेस्ट से सफाई

- चाहे किसी भी रंग के जूते खरीद लें एक समय के बाद शूज बहुत गंदे हो जाते हैं।
- शूज से गंदगी हटाने के लिए उन्हें बार-बार नहीं धोना चाहिए। ऐसा करने से रंग फीका होता है और क्वालिटी भी खराब हो जाती है।
- ऐसे में सवाल यह है कि जूतों की सफाई कैसे की जाए? आपको बता दें कि टूथपेस्ट की मदद से आप आसानी से जूते साफ कर सकते हैं।
- आपको बस जूते पर लगे दाग पर टूथपेस्ट लगानी है। इसके बाद साफ कपड़े से टूथपेस्ट को साफ करना है।
- ऐसा करने पर जूते काफी साफ हो जाते हैं।

फोन का कवर करें साफ

- फोन के कवर पर अक्सर कई चीजों के दाग लग जाते हैं। ऐसे में 2 से 3 मिनट के लिए टूथपेस्ट को कवर पर लगा दें।
- इसके बाद टूथपेस्ट को साफ कपड़े या टिशू से साफ करें। आप देखेंगे की फोन का कवर बहुत साफ हो चुका है।
- कवर के अलावा फोन पर लगे छोटे-मोटे स्कैच को भी टूथपेस्ट गायब कर देता है।

लिपस्टिक का दाग

- बहुत बार लाइट कलर के कपड़ों पर गलती से लिपस्टिक का दाग लग जाता है। ऐसा होने पर भी टूथपेस्ट यूज की जा सकती है।
- दाग पर टूथपेस्ट लगाएं और उसे किसी ब्रश की मदद से साफ करें।

टेबल पर लगे चाय के दाग

- चाय पीते वक्त हम कप को टेबल पर रख देते हैं जिससे चाय का दाग लग जाता है।
- ऐसे में अगर चाय का दाग टेबल से ना हटे तो आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें।
- टूथपेस्ट लगाने से चाय का दाग छूमंतर हो जाता है।
- दीवारों पर लगे दाग
- पेंट करवाने के बाद कुछ दिनों तक दीवारें बहुत साफ-सुथरी नजर आती हैं।
- लेकिन एक समय के बाद दीवारों पर तरह-तरह के दाग लग जाते हैं।
- इन दागों से छुटकारा पाने के लिए इन पर टूथपेस्ट लगाएं और हल्के हाथ से मसलें।
- ऐसा करने पर दाग हट जाता है और दीवारे साफ लगती हैं।

रेलवे कंपनी को मिला 28,29,14,088 रुपये का काम

नईदिल्ली, एजेंसी। लगातार आज 5वें कारोबारी दिन रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में सोमवार की सुबह 3 प्रतिशत से अधिक की उछाल दर्ज की गई है। बता दें, कंपनी को 28,29,14,088 रुपये का काम मिला है। यह कंपनी को 6 सितंबर तक पूरा करना है। वर्क डीटेल्स के अनुसार इंडोर और आउटडोर डबल डिस्टेंट सिगनलिंग वर्क का काम कंपनी को मिला है।

12 मार्च को कंपनी की है बड़ी मीटिंग- रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की बोर्ड मीटिंग 12 मार्च को बुलाई गई है। कंपनी की इस मीटिंग में दूसरे अंतरिम डिविडेंड देने पर फैसला किया जाएगा। अगर बोर्ड की अनुमति मिली तो योग्य निवेशकों को डिविडेंड का फायदा मिल सकता है। बता दें, उम्मीद की जा रही है कि कंपनी डिविडेंड के साथ रिकॉर्ड डेट का भी ऐलान 12 मार्च को ही कर सकती है।

बीएसएफ ने भी मिला है काम

बीते हफ्ते कंपनी को उड़ीसा के स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी की तरफ से 2,62,33,85,540 रुपये का काम मिला था। इसके अलावा कंपनी को बीएसएफ ने भी काम दिया है। बीएसएफ ने कंपनी को 19,08,82,886 करोड़ रुपये का काम मिला है। ईस्टर्न रेलवे की तरफ से कंपनी को 47,50,05,370 रुपये का काम मिला है।

तेजी के बाग शेयरों में दिखी नरमी- रेल टेल कॉरपोरेशन के शेयर बीएसई में सोमवार को 304.70 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 309.10 रुपये के इंट्रा-डे हाई तक पहुंचने में सफल रहा है। हालांकि, कंपनी के शेयर 11 बजे के आस-पास गिरावट के साथ ट्रेड करने लगने थे। जिसकी वजह से शेयर 297 रुपये स्तर पर आ गया था।

दिसंबर क्वार्टर में कैसा रहा कंपनी का प्रदर्शन

अक्टूबर से दिसंबर के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 65 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 5 प्रतिशत अधिक है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 62.10 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, तीसरे क्वार्टर में 767.60 करोड़ रुपये रहा है। बीते वित्त वर्ष की

वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए मिला ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। रेल कंपनी ओरिएंटल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में रॉकेट सा उछाल देखने को मिल रहा है। ओरिएंटल रेल के शेयर सोमवार को क्रस्थ में 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 170.30 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 4 दिन से रेल कंपनी के शेयर अपर सर्किट पर हैं। वहीं, पिछले 5 दिन में ओरिएंटल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में 22 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। ओरिएंटल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को देश की पहली स्वदेशी सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए ऑर्डर मिला है। पिछले कुछ दिनों में रेल कंपनी को लगातार ऑर्डर मिले हैं।

इस साल अब तक शेयरों में 47 प्रतिशत की गिरावट

ओरिएंटल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में इस साल अब तक 47 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। रेल कंपनी के शेयर इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2025 को 321.65 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 10 मार्च 2025 को 170.30 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयर 44 पर्सेंट लुढ़क गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 445 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 137.20 रुपये है।

दनादन 4 दिन से अपर सर्किट पर कंपनी के शेयर- ओरिएंटल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर लगातार 4 दिन से अपर सर्किट पर हैं। वहीं, पिछले 5 दिन में रेल कंपनी के शेयरों में 22 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। ओरिएंटल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 4 मार्च 2025 को 139.40 रुपये पर थे। रेल कंपनी के शेयर 10 मार्च 2025 को 170.30 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले एक महीने में ओरिएंटल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में 22.47 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। रेल कंपनी के शेयर 10 फरवरी 2025 को 219.65 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 10 मार्च 2025 को 170.30 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए मिला 42.89 करोड़ रुपये का ऑर्डर- ओरिएंटल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को वंदे भारत एक्सप्रेस में सीट्स की सप्लाई के लिए पहला बड़ा ऑर्डर मिला है। कंपनी को यह ऑर्डर रेल कोच फैक्ट्री कपूरथला से मिला है। इस ऑर्डर की वैल्यू 42.89 करोड़ रुपये है। कंपनी को 24 जुलाई 2026 तक इसकी डिलीवरी करनी है। ओरिएंटल रेल को इससे पहले रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला से 3.08 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। कंपनी को मार्च में ही नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे से 1.61 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। इसके अलावा, रेल कंपनी को इंटेग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई से 1.64 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है।

अमेरिका में फार्मा टैरिफ बढ़ने से भारतीय दवा उद्योग पर गहरा असर

छोटी कंपनियों के लिए चुनौती

नई दिल्ली। अमेरिका में फार्मा आयात पर अगर टैरिफ बढ़ता है तो इसका भारतीय दवा निर्माताओं पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है, क्योंकि इससे उत्पादन लागत बढ़ जाएगी। इससे अन्य देशों की तुलना में घरेलू कंपनियों को प्रतिस्पर्धा करने में दिक्कत होगी। कम मार्जिन पर काम करने वाली छोटी कंपनियों को भारी दबाव का सामना करना पड़ सकता

है। उन्हें कारोबार बंद करने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी के पार्टनर अरविंद शर्मा ने कहा, भारत वर्तमान में अमेरिकी दवाओं पर करीब 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाता है, जबकि अमेरिका भारतीय दवाओं पर कोई आयात शुल्क नहीं लगाता है। अमेरिका दवाओं का शुद्ध आयातक रहा है। अगर वह भारत से दवा आयात पर भारी शुल्क लगाता है, तो इसका असर भारतीय दवा क्षेत्र में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा और घरेलू खपत भी बाधित होगी। 2022 में अमेरिका में हर 10 में से चार दवाएं भारतीय कंपनियों की ओर से आपूर्ति की गई हैं। भारतीय कंपनियों की दवाओं से 2022 में अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को 219 अरब डॉलर की बचत हुई है। 2013 से लेकर 2022 के बीच 1.3 लाख करोड़ डॉलर की बचत हुई थी।

शेयर बाजार में गिरावट का असर: तीन हफ्ते से नहीं आया एक भी आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लगातार गिरावट का असर आईपीओ पर भी दिखने लगा है। पिछले साल कंपनियां जमकर सूचीबद्ध हुई, पर पिछले तीन हफ्ते से एक भी कंपनी बाजार में नहीं उतरी है। जनवरी में सिर्फ पांच और फरवरी में चार कंपनियां पूंजी बाजार में उतरीं, जबकि दिसंबर में 16 आईपीओ आए थे। अंतिम आईपीओ क्वालिटी

पावर इलेक्ट्रिकल का 14 फरवरी को आया था। बाजार में सुस्ती का असर यह है कि तीन कंपनियों एडवांस्ड सिस्टम, एसएफसी एनवायरमेंटल एवं विनी कॉरपोरेशन ने जनवरी और फरवरी में जमा मसौदा वापस ले लिया था। 2024 में 91 सार्वजनिक निर्गमों के जरिये कंपनियों ने 1.6 लाख करोड़ जुटाए थे। विश्लेषकों का कहना है कि बाजार की गिरावट ने जनवरी व फरवरी में कई सूचीबद्ध कंपनियों के शेयर मूल्यों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। इससे निवेशक आईपीओ में पैसा लगाने से बच रहे हैं हालांकि, कंपनियां बड़े पैमाने पर मसौदा जमा करा रही हैं।

45 कंपनियों को मिली मंजूरी

इस समय 45 कंपनियों को इश्यू लाने की सेबी से मंजूरी मिल चुकी है, जो 67,000 करोड़ जुटाएंगी। 69 कंपनियां मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। दो महीनों में करीब 30 कंपनियों ने मसौदा जमा किया है।

एफएओ की रिपोर्ट: इस साल दुनियाभर में बढ़ेगा गेहूं उत्पादन

भारत की मदद से धान भी तोड़ेगा रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में इस साल गेहूं उत्पादन बढ़कर 79.6 करोड़ टन पहुंचने की उम्मीद है, जो 2024 की तुलना में करीब एक फीसदी अधिक होगा।यूरोपीय संघ, विशेष रूप से फ्रांस और जर्मनी में गेहूं की पैदावार में इजाफा हो सकता है, क्योंकि इन क्षेत्रों में बुवाई का रकबा बढ़ने की संभावना है। हालांकि, पूर्वी यूरोप में सूखे और पश्चिमी यूरोप में भारी बारिश के कारण उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अमेरिका में भी गेहूं का रकबा बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन सर्दियों में सूखे के कारण पैदावार मामूली घट सकती है।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की रिपोर्ट के मुताबिक, धान उत्पादन को लेकर भी सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। 2024-25 में वैश्विक धान उत्पादन 54.3 करोड़ टन के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच सकता है। यह वृद्धि मुख्य रूप से भारत में बेहतर फसल और कंबोडिया एवं म्यांमार में अनुकूल मौसम परिस्थितियों के कारण होगी।

संगठन ने अपने वैश्विक अनाज उत्पादन पूर्वानुमान को बढ़ाकर 284.2 करोड़ टन कर दिया है, जो 2023 की तुलना में थोड़ा अधिक है। साथ ही, 2024-25 में अनाज की कुल खपत 286.7 करोड़ टन तक पहुंचने की संभावना है, जिसमें एक फीसदी की वृद्धि होगी। यह वृद्धि मुख्य रूप से चावल की बढ़ती मांग के कारण हो सकती है। दूसरी ओर, गेहूं की खपत स्थिर रहने का अनुमान है।

- **वैश्विक अनाज भंडारण में गिरावट की आशंका-** संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन का अनुमान है कि 2025 में वैश्विक अनाज भंडार 1.9 फीसदी घटकर 86.93 करोड़ टन रह सकता है। हालांकि, रूस और यूक्रेन में भंडारण बढ़ने से इस गिरावट को आंशिक रूप से संतुलित किया जा सकता है। स्टॉक-टू-यूज अनुपात 29.9 फीसदी तक गिरने की आशंका है, लेकिन इसे अब भी संतोषजनक माना जा रहा है। वैश्विक व्यापार में भी कमी आने की आशंका है, क्योंकि एफएओ ने अपने पूर्वानुमान को घटाकर 48.42 करोड़ टन कर दिया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.6 फीसदी कम है। इसकी वजह निर्यात में होने वाले बदलाव हैं।
- **क्षेत्रवार मिलीजुली स्थिति-** उत्तरी अफ्रीका में कम बारिश से उत्पादन प्रभावित हो सकता है, जबकि दक्षिणी अफ्रीका में 2024 की गिरावट के बाद बेहतर बारिश से फसल उत्पादन में सुधार की उम्मीद है। पूर्वी एशिया में बेहतर बुवाई और अनुकूल मौसम के चलते गेहूं उत्पादन बढ़ सकता है, लेकिन निकट पूर्व एशिया में कम बारिश के कारण गेहूं की पैदावार पिछले पांच साल के औसत से कम रह सकती है। मध्य अमेरिका व कैरेबिया में शुष्क मौसम के कारण मेक्सिको में अनाज बुवाई घट सकती है।

आर्मी ने दिया एचएफसीएल को 44 करोड़ रुपये का काम, 100 रुपये से कम का है शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। इंडियन आर्मी की तरफ से एचएफसीएल की सब्सिडियरी को काम मिला है। इस प्रोजेक्ट की कुल वैल्यू 44.36 करोड़ रुपये की है। कंपनी के शेयरों में आज तेजी देखने को मिली है। बीएसई में एचएफसीएल 84.81 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 85.90 रुपये के लेवल पर था।

क्या मिला है काम

एक्सचेंज को दी जानकारी में एचएफसीएल ने बताया है कि सब्सडियरी एचटीएल को 44.36 करोड़ रुपये का काम मिला है। कंपनी को इंडियन आर्मी को टैक्टिकल ऑप्टिकल फाइबल केबल एसेंबलीज का काम मिला है। इससे पहले कंपनी ने बीएसएनएल के साथ फरवरी में एग्रीमेंट किया है। पंजाब टेलीकॉम सर्किल में कंपनी को 2501.30 करोड़ रुपये का काम मिला है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति कैसी- दिसंबर क्वार्टर एचएफसीएल के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा है। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 10.40 प्रतिशत गिरा है। कंपनी का नेट प्रॉफिट 73.65 करोड़ रुपये रहा है। बता दें, एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 82.24 करोड़ रुपये रहा था।

शेयर बाजार में कंपनी का अच्छा नहीं रहा है प्रदर्शन- स्टॉक मार्केट में एचएफसीएल के शेयर संघर्ष करते दिखे हैं। बीते एक महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 15 प्रतिशत गिरा है। वहीं, इस साल अबतक यह स्टॉक 26 प्रतिशत टूट चुका है। एक साल पहले एचएफसीएल के शेयरों पर दांव लगाने वाले निवेशकों को अबतक 18 प्रतिशत का नुकसान हुआ है।

सुजलॉन एनर्जी के लिए आई अच्छी खबर, 70 तक पहुंच सकता है भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के निवेशकों के लिए अच्छी खबर आई है। आज सुबह स्टॉक मार्केट में सुजलॉन एनर्जी के शेयर में तेजी देखी गई। सुजलॉन का शेयर आज एनएसई पर 55.11 रुपये पर खुला और इंट्राडे में 56.69 रुपये के हाई को छू गया। यह शुक्रवार के क्लोजिंग प्राइस 54.92 रुपये के मुकाबले 3 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त है। सोमवार सुबह के कारोबार में लगातार छठे सत्र में तेजी के साथ सुजलॉन के शेयर ने पिछले छह दिनों में 14 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की है।

स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सुजलॉन के शेयर का 52 रुपये पर मजबूत सपोर्ट है और स्टॉक को 58 से 60 रुपये के रेंज में रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ रहा है। अगर यह इस रेंज को पार कर जाता है, तो स्टॉक जल्द ही 62 और 70 रुपये प्रति शेयर के स्तर को छू सकता है। अगर यह 52 रुपये के स्तर से नीचे टूटता है, तो स्टॉक में गिरावट आ सकती है।

सुजलॉन के शेयर में तेजी तब शुरू हुई जब ब्रोकरेज फर्म इन्वेस्टेक ने इस स्टॉक पर 70 रुपये के टार्गेट प्राइस के साथ कवरेज शुरू की। इन्वेस्टेक के विश्लेषकों का मानना है कि सुजलॉन एनर्जी विंड एनर्जी सेक्टर में हो रहे पुनरुद्धार से फायदा उठाने के लिए मजबूत स्थिति में है। कंपनी का ऑर्डर बुक 5.5 लङ्ख तक पहुंच गया है, और इसकी सप्लाई चेन भी अच्छी तरह से ऑप्टिमाइज्ड है।

जल्द ही 62 रुपये के स्तर को छू सकता है

चॉइस ब्रोकिंग के सुमित बगड़िया ने कहा कि सुजलॉन का शेयर टेक्निकल चार्ट पर पॉजिटिव दिख रहा है। अगर यह 58 से 60 रुपये के रेंज को पार कर लेता है, तो यह जल्द ही 62 रुपये के स्तर को छू सकता है। हालांकि, अगर यह 52 रुपये के स्तर से नीचे टूटता है, तो स्टॉक में गिरावट आ सकती है।

ओला इलेक्ट्रिक के शोरूम पर छापे 54 रुपये पर आया 157 वाला शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक के शोरूम पर ट्रेड सर्टिफिकेट न होने के आरोप में छापे मारे गए हैं। कंपनी ने पिछले कुछ सालों में 4,000 से ज्यादा शोरूम खोले हैं, लेकिन ब्लूमबर्ग न्यूज की जांच में पता चला है कि इनमें से ज्यादातर शोरूम के पास जरूरी ट्रेड सर्टिफिकेट नहीं हैं। ग्राहकों की शिकायतों के बाद कई राज्यों के परिवहन अधिकारियों ने ओला के शोरूम पर छापे मारे, वाहन जब्त किए और कंपनी को नोटिस भेजे हैं। कानून के मुताबिक, हर ऑटो शोरूम को ट्रेड सर्टिफिकेट दिखाना जरूरी है, अगर वह बिना रजिस्टर्ड वाहन रखता है। छापों की खबर के बाद ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के शेयरों में करीब 4 पर्सेंट की गिरावट है। आज यह 56.36 रुपये पर खुला और 54.12 रुपये तक दिन के निचले स्तर तक आ गया। इसका 52 हफ्ते का हाई 157.40 रुपये और लो 53.62 रुपये है। ओला ने कहा है कि उनके वेयरहाउस और डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर कानून

का पूरी तरह से पालन करते हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या उनके शोरूम के पास ट्रेड सर्टिफिकेट हैं।

ओला के प्रवक्ता ने क्या कहा- ओला के प्रवक्ता ने एक ईमेल प्रतिक्रिया में कहा, आपकी जांच के निष्कर्ष कि गैर-अनुपालन है, गलत और पक्षपातपूर्ण हैं। उन्होंने आगे कहा कि ओला के पास भारत के विभिन्न राज्यों में वितरण केंद्र और गोदाम हैं, जो मोटर व्हीकल्स एक्ट के दिशानिर्देशों का पूरी तरह से पालन करते हैं और उनके पास आवश्यक अनुमोदन हैं। ब्लूमबर्ग न्यूज के साथ साक्षात्कार में कम से कम छह स्थानीय परिवहन अधिकारियों ने कहा कि वे ओला पर कथित उल्लंघनों की जांच कर रहे हैं। यह ओला के

25,000 से ज्यादा वाहन बेचे, लेकिन

स्कूटर निर्माता ने 28 फरवरी को एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि उसने पिछले महीने 25,000 से ज्यादा वाहन बेचे थे, जबकि सरकारी पोर्टल वाहन से पता चलता है कि 8,600 से ज्यादा पंजीकृत थे। यह बड़ा अंतर संभावित रूप से एक रेड फ्लैग है, क्योंकि ग्राहक भारत में बिना रजिस्ट्रेश के वाहन प्राप्त नहीं कर सकते हैं। भारतीय वाहन निर्माता आमतौर पर अपनी बिक्री में केवल रजिस्टर्ड वाहनों को ही गिनते हैं। ओला द्वारा एक्सचेंजों को अपनी बिक्री संख्या की घोषणा करने के एक हफ्ते बाद भी सभी चालान किए गए वाहनों को रजिस्ट्रेशन न करना (स्थानीय नियम इसे सात दिन की अवधि तक देते हैं) राज्य सरकार के कानूनों के साथ टकराव का जोखिम उठाता है।

अगर आपकी कमाई पर कट रहा ज्यादा टीडीएस तो कटौती से बचने के लिए भरें फॉर्म-13

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आपकी कमाई पर ज्यादा टीडीएस कट रहा है और आप हर साल टैक्स रिफंड की झंझट से बचना चाहते हैं, तो फॉर्म-13 भरना एक बेहतरीन उपाय हो सकता है। आयकर विभाग ने हाल ही में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए यह फॉर्म जारी किया है, जिससे करदाताओं को कम या शून्य टीडीएस कटौती की सुविधा मिल सकती है। इस फॉर्म को भरकर पहले से ही यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि आय पर अतिरिक्त टीडीएस न कटे।

क्या है फॉर्म-13

अक्सर देखा जाता है कि बैंक, कंपनियां, नियोक्ता और अन्य संस्थान आयकर अधिनियम- 1961 के तहत निर्धारित दरों पर टीडीएस काटते हैं, भले ही टैक्सपेयर की कुल कर देनदारी उतनी न बनती हो। कई लोगों का मासिक बजट प्रभावित होता है और अंत में उन्हें टैक्स रिफंड के लिए आवेदन करना पड़ता है। इस परेशानी से बचाने के लिए सरकार ने करदाताओं को फॉर्म-13 की सुविधा दी है। यह आयकर अधिनियम-1961 के तहत उपलब्ध एक विशेष फॉर्म है, जो करदाताओं को कम या शून्य टीडीएस कटौती के लिए आवेदन करने की सुविधा देता है। यानी करदाता इसकी मदद से पहले ही अनुरोध कर सकते हैं उनके आय स्रोतों पर सही अनुपात में टीडीएस काटा जाए। इससे वह अतिरिक्त कटौती से बच जाते हैं। यह फॉर्म उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जो बैंक ब्याज, डिविडेंड, या अन्य स्रोतों से आय प्राप्त करते हैं और जिनकी आयकर देयता शून्य होती है।

अब हॉकी खिलाड़ी बनेंगे करोड़पति

फेडरेशन ने सालाना अवॉर्ड्स के लिए घोषित की रिकॉर्ड प्राइज मनी

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने अपने सातवें वार्षिक पुरस्कारों के लिए 12 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा की जिसके लिए आठ श्रेणियों में 32 खिलाड़ियों को नामित किया गया है। वार्षिक पुरस्कार कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया जाएगा जिसमें 2024 सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार समारोह के प्रमुख आकर्षणों में से एक प्रतिष्ठित बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार है जो वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए दिया जाएगा। यह सर्वश्रेष्ठ पुरुष और सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी को दिया जाएगा। युवा खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया

जाएगा। जुगराज सिंह पुरस्कार वर्ष के उभरते हुए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी जबकि असुंता लाकड़ा पुरस्कार वर्ष की उभरती हुई महिला खिलाड़ी को दिया जाएगा।
इसके अलावा विभिन्न भूमिकाओं में व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए भी पुरस्कार दिए जाएंगे। इसमें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए बलजीत सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर के लिए परगट सिंह पुरस्कार, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर के लिए अजीत पाल सिंह पुरस्कार और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड के लिए धनराज पिल्ले पुरस्कार शामिल हैं। इस वर्ष के पुरस्कार उसी दिन दिए जाएंगे जिस दिन 50 साल पहले 1975 में भारतीय पुरुष टीम ने विश्व कप जीता था जो देश का अब तक का पहला और एकमात्र विश्व खिताब है। इसके साथ ही 2025 में भारतीय हॉकी के 100 वर्ष भी पूरे हो जाएंगे क्योंकि देश को सात नवंबर 1925 को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से मान्यता मिली थी। इस दौरान भारत की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीम को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा पिछले साल एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी जीतने वाली पुरुष और महिला टीम को भी सम्मानित किया जाएगा। जूनियर एशिया कप जीतने वाली पुरुष और महिला टीम को भी सम्मानित किया जाएगा।

आईपीएल में शराब और तंबाकू के प्रचार पर लगेगा बैन?

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग का 18वां संस्करण 22 मार्च से शुरू होगा. टूर्नामेंट होम एंड अवे फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसके लिए सभी टीमों ने अपने अपने स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है. इस बीच स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने आईपीएल चेयरमैन को पत्र

लिखकर आईपीएल के दौरान सरोगेट विज्ञापन और बिक्री सहित तंबाकू और शराब के विज्ञापनों को रोकने के सम्बन्ध में पत्र लिखा है.
पत्र में लिखा गया है कि भारत में इस समय डायबिटीज, फेफड़ों की बीमारियां, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां तेजी से बढ़ रही है. तंबाकू और शराब का सेवन इन बीमारियों के बढ़ने की प्रमुख वजह है. तंबाकू से होने वाली सबसे ज्यादा मौतों में भारत दूसरे स्थान पर आता है. शराब की वजह से भारत में प्रत्येक वर्ष 14 लाख लोग दम तोड़ते हैं. इससे पहले स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी खेल टूर्नामेंट के दौरान शराब और तंबाकू के प्रचार प्रसार पर रोक लगाने कि सिफारिश की थी.

बीसीसीआई ने की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम के अजेय प्रदर्शन की सराहना

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार जीत दर्ज करने पर सोमवार को भारतीय टीम को बधाई दी। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि उनके अनुकरणीय नेतृत्व और सामरिक कौशल ने टीम को इस ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कप्तान रोहित के प्रेरणा देने और मिसाल कायम करने वाले नेतृत्व क्षमता ने भारत के विजयी अभियान में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर की भूमिका की भी सराहना की करते हुए कहा कि उनका निडर दृष्टिकोण और सामरिक अंतर्दृष्टि ने इस विजेता टीम को लक्ष्य हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ, सहयोगी कर्मियों और चयन समिति को इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बधाई दी। बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, 'पिछले साल टी-20 विश्वकप की सफलता के बाद यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। एक और वैश्विक टूर्नामेंट में दबदबा बनाना और चैंपियंस ट्रॉफी जीतना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है।

टीम ने बेजोड़ निरंतरता और अपने चरित्र के साथ खेला है मैं कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच गौतम गंभीर और पूरी टीम को उनकी ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई देता हूं। रोहत की टी-20 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी दोनों खिताब जीतने से उन्हें भारत के सबसे बेहतरीन और सबसे सफल कप्तानों में से एक के शुमार किया है और उनके नेतृत्व में टीम को मजबूती मिली है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, 'आईसीसी खिताब जीतना हमेशा एक विशेष उपलब्धि होती है और इस टीम ने इसे प्रभावशाली अंदाज में हासिल किया है।

हैरी ब्रूक ने आईपीएल से लिया नाम वापस

आईपीएल 2025

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने आईपीएल 2025 में न खेलने का निर्णय लिया है. जिसके चलते उन पर दो साल का बैन लगने का खतरा है. आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से होनी है. इससे पहले इंग्लैंड के हैरी ब्रूक ने इस साल लीग में नहीं खेलने का फैसला लिया है. जिसके बाद से नए नियमों के मुताबिक उनपर दो साल का बैन लगने का खतरा मंडरा रहा है. आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से होनी है.

इससे पहले इंग्लैंड के हैरी ब्रूक ने इस साल लीग में नहीं खेलने का फैसला लिया है. जिसके बाद से नए नियमों के मुताबिक उनपर दो साल का बैन लगने का खतरा मंडरा रहा है. रिपोर्ट के मुताबिक अगर आयोजक नियम का पालन करने का फैसला लेते हैं, तो ब्रूक को आईपीएल से दो साल के बैन का सामना करना पड़ सकता है. बता दें कि ब्रूक को दिल्ली

लग सकता है दो साल का बैन!

कैपिटल्स ने ऑक्शन में 6.25 करोड़ रूपये में खरीदा था.

अगर आयोजक नियम का पालन करने का फैसला लेते हैं, तो ब्रूक को आईपीएल से दो साल के बैन का सामना करना पड़ सकता है. बता दें कि ब्रूक को दिल्ली कैपिटल्स ने ऑक्शन में 6.25 करोड़ रूपये में खरीदा था. ब्रूक ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से इस जानकारी को फैंस के साथ साझा की. इस दौरान उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स टीम और उनके सपोर्टर्स से माफी भी मांगी. ब्रूक ने इससे पहले निजी कारणों से आईपीएल 2024 में भी नहीं खेलने का फैसला लिया था. ब्रूक ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से इस जानकारी को फैंस के साथ साझा की. इस दौरान उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स टीम और उनके सपोर्टर्स से माफी भी मांगी. ब्रूक ने इससे पहले निजी कारणों से आईपीएल 2024 में भी नहीं खेलने का फैसला लिया था. ब्रूक ने कहा कि उनके लिए यह काफी मुश्किल फैसला था.

रोहित शर्मा ने वनडे क्रिकेट से संन्याय पर तोड़ी चुप्पी, 'कृपया अफवाहें मत फैलाइए'

'जैसा चल रहा है, वैसा ही...'

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर चैम्पियंस ट्रॉफी का खिताब जीत लिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने संन्यास के सवाल पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह अभी किसी भी भविष्य की योजना के बारे में नहीं सोच रहे हैं और संन्यास का कोई विचार नहीं है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वह वनडे फॉर्मेट से संन्यास नहीं लेंगे। रोहित शर्मा ने संन्यास पर फैल रही अफवाहों को नकारते हुए कहा, जैसा चल रहा है, वैसा ही चलता रहेगा। मैं इस फॉर्मेट (वनडे) से संन्यास नहीं लेने जा रहा हूं। कृपया इस बारे में कोई अफवाह न फैलाएं। रोहित शर्मा की यह बात उनके फैंस और मीडिया के लिए एक साफ संदेश थी कि वह फिलहाल क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। यह बयान भारतीय कप्तान की निरंतरता और समर्पण को दर्शाता है।

फाइनल में रोहित शर्मा का

प्रदर्शन– फाइनल मुकाबले में रोहित शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 41 गेंदों पर 50 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें तीन छक्के और सात चौके शामिल थे। हालांकि, 76 रन की पारी के बाद, वह न्यूजीलैंड के गेंदबाज रचिन रवींद्र का शिकार बने, जिन्हें उन्होंने विकेटकीपर टॉम लैथम के हाथों स्टम्पिंग कराकर आउट किया। उनका यह प्रदर्शन टीम के लिए बेहद अहम था, क्योंकि उन्होंने भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

केएल राहुल और हार्दिक पंड्या की तारीफ– मैच के बाद, रोहित शर्मा ने अपनी टीम के अन्य खिलाड़ियों की भी तारीफ की। खासकर, केएल राहुल और हार्दिक पंड्या की उन्होंने जमकर सराहना की। रोहित ने कहा, राहुल का दिमाग बहुत मजबूत है। वह किसी भी दबाव में नहीं आता और यही कारण है कि हम उसे मध्यक्रम में रखना चाहते थे। जब वह बल्लेबाजी करता है और परिस्थिति के अनुसार सही शॉट खेलता है, तो वह हार्दिक पंड्या जैसे बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका देता है।रोहित ने आगे कहा, हम चाहते थे कि हमारी टीम ऐसी पिच पर कुछ अलग खेल दिखाए, और राहुल और हार्दिक पंड्या ने इसे बखूबी किया। मैं उनका आभारी हूं।

टीम का समर्थन मेरे लिए था बेहद अहम– रोहित शर्मा ने अपनी बैटिंग शैली पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मैंने इस टूर्नामेंट में अपनी बैटिंग में कुछ बदलाव किए हैं।

शमी के रोजा न रखने पर आया इंजमाम उल हक का रिएक्शन

बताया रमजान में क्या करती थी पाक टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों से भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी चर्चा में हैं. हालांकि, उनकी चर्चा उनके प्रदर्शन को लेकर नहीं, बल्कि रमजान के रोजा न रखने को लेकर हो रही है. दरअसल, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में मोहम्मद शमी मैच के दौरान खुलेआम जूस पिते दिखे थे. इसके बाद से उनकी काफी आलोचना हो रही है. अब शमी के रोजा न रखने पर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक का रिएक्शन आया है.

रिपोर्ट में इंजमाम उल हक के हवाले से लिखा है, खेलते वक्त रोजा छोड़ना कोई वैसी बात नहीं है. मुझे लगता है कि ज्यादा आपत्ति इस बात

से हुई कि उसने (शमी) सार्वजनिक रूप से पानी पी लिया. खेलते हुए रोजा रखना मुश्किल है. हम लोगों का भी अपना अनुभव है. रोजे के दौरान जब हम मैच खेलते थे, तो पाकिस्तान की टीम वाटर ब्रेक के दौरान स्क्रीन के पीछे चली जाती थी. बता दें कि मुसलमानों के लिए रमजान के महीने का एक खास महत्व है. मुस्लिम हर हाल में रमजान के रोजे रखते हैं. हालांकि, इसमें कई मामलों में रियायत भी दी जाती है, जैसे सफर (यात्रा) के दौरान या बीमार होने पर रोजे छोड़े जा सकते हैं, जिन्हें बाद में रख लिया जाता है. शमी की आलोचना करने वाले फैंस हाशिम अमला का जिक्र कर उन्हें ट्रोल कर रहे हैं. लोगों का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर हाशिम अमला ने रोजा रखकर 300 रनों की पारी खेली थी तो शमी भी रोजा रख सकते थे. बता दें कि पहले तो यह फैक्ट ही गलत है. अमला ने जब 300 की पारी खेली थी तो वह रोजे से नहीं थे. उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में इसका खुलासा किया था. इसके अलावा एक तेज गेंदबाज के लिए मैच के दौरान रोजा रखना काफी मुश्किल है.

अगर आप मैदान नहीं छोड़ते, तो आपके पास मौका होता है: हार्दिक पांड्या

दुबई, एजेंसी। हार्दिक पांड्या को जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में चैंपियन्स ट्रॉफी में नई गेंद से गेंदबाजी की जिम्मेदारी संभालनी पड़ी और इस ऑलराउंडर ने कहा कि उनकी संघर्ष करने की स्वाभाविक क्षमताओं ने उन्हें नई भूमिका में ढलने में मदद की। हालांकि टूर्नामेंट में पांड्या पर अधिक भार नहीं रहा क्योंकि भारत ने मुख्य रूप से चार स्पिनरों के साथ गेंदबाजी की। पांड्या ने पांच मैच में सिर्फ 24.3 ओवर गेंदबाजी की और चार विकेट लिए। पांड्य ने भारत की खिताबी जीत के बाद मिक्स्ड जोन में कहा, 'गेंदबाजी अपना काम खुद करती है। यह साल सीखने और चुनौतियों से भरा रहा। मेरी मानसिकता ने मुझे कभी चुनौतियों से भागना नहीं सिखाया। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर चुनौतियां कठिन हैं तो इसका डटकर सामना करो। अगर आप मैदान नहीं छोड़ते हैं, तो आपके पास मौका होता है। पांड्या ने कहा कि वह बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा खुद पर भरोसा रहा है कि मैं यह कर सकता हूं। और साथ ही पर्दे के पीछे की गई कड़ी मेहनत रंग लाती है। मेरा हमेशा मानना है कि आप जिस तरह से तैयारी करते हैं, आप उसे खेल में भी दिखा पाएंगे।
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में जीत ने पांड्या को 2017 के टूर्नामेंट में पाकिस्तान से भारत की हार की कड़वी यादों को मिटाने में भी मदद की जिसका वह भी हिस्सा थे। पांड्या ने कहा, 'मैं कह सकता हूं कि आज एक अधूरा सपना पूरा हो गया। लेकिन आठ साल बहुत लंबा समय होता है। आठ साल में जीवन में बहुत कुछ हुआ। लेकिन साथ ही जीतना, और वह भी भारत के लिए, मेरे लिए यह बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है।

भारत के चैंपियन बनने के बाद पाकिस्तान में बवाल!

वसीम अकरम ने उठाया गंभीर सवाल

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद अकरम ने क्या कहा -

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का होस्ट पाकिस्तान था. लेकिन भारत के चैंपियन बनने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का कोई भी अधिकारी दुबई में दिखाई नहीं दिया. टीम इंडिया ने फाइनल में रविवार को न्यूजीलैंड को हरा दिया. भारत की जीत के बाद पाकिस्तान के कई खिलाड़ी पीसीबी की आलोचना कर चुके हैं. इस मसले पर पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम ने भी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इस मसले को लेकर एक गंभीर सवाल उठाया है.

पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में एक भी मैच नहीं जीत सका. यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल से हुआ है. इस वजह से एक सेमीफाइनल पाकिस्तान में खेला गया. जबकि भारत का सेमीफाइनल दुबई में आयोजित हुआ. भारत ने फाइनल भी दुबई में खेला. टीम इंडिया की जीत के बाद अवॉर्ड सेरेमनी आयोजित हुई. इस दौरान पीसीबी का कोई भी अधिकारी स्टेज पर नहीं दिखा. पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर ने इस पर सवाल उठाया था. अब अकरम ने भी प्रतिक्रिया दी है.

अकरम ने पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी का भी जिक्र किया. बीबीसी की एक खबर के मुताबिक अकरम ने कहा, चेयरमैन साहब की तबीयत ठीक नहीं थी. लेकिन पीसीबी की तरफ से स्टेज पर कोई नहीं था. वहां से सुमैर अहमद और उस्मान आए थे. लेकिन वे दोनों नहीं दिखे. हम चैंपियंस ट्रॉफी के मेजबान थे. इसलिए जो भी चेयरमैन साहब का प्रतिनिधित्व कर रहा था, उन्हें वहां होना चाहिए था. क्या उन्हें स्टेज पर नहीं बुलाया गया?

अख्तर ने पीसीबी को लेकर उठाया ये सवाल – शोएब अख्तर ने भी चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद सवाल उठाया था. उन्होंने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है. अख्तर ने कहा, हिन्दुस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी जीत ली है. लेकिन मैंने एक अजीब चीज देखी. पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी होस्ट कर रहा था. लेकिन उसका कोई भी नुमाइंदा वहां नहीं दिखा. वर्ल्ड स्टेज है. आपको यहां होना चाहिए था.

पाकिस्तान ने पैसे खर्च किए, स्टेडियम बनाए, लेकिन टीम पर ध्यान नहीं दिया: कनेरिया

नई दिल्ली, एजेंसी । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उसकी मुख्य खामियों को उजागर किया है। चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की टीम मेजबान थी और टूर्नामेंट से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई थी। उन्होंने कहा कि पीसीबी ने इस बड़े आयोजन की मेजबानी पर बहुत पैसा खर्च किया, लेकिन टीम और उसकी तैयारियों पर ध्यान नहीं दिया।

जब भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया, तो पाकिस्तान की इस आयोजन के फाइनल की मेजबानी करने की उम्मीदें धराशायी हो गईं, जिसकी मेजबानी वह कर रहा था। पाकिस्तान और आईसीसी द्वारा तय हाइब्रिड फॉर्मूले के अनुसार, फाइनल लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम के बजाय दुबई में खेला गया। बात करते हुए कनेरिया ने उन बातों को भी खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि भारत को फाइनल सहित अपने सभी मैच दुबई में खेलने का फायदा होगा और कहा कि ऐसी बातें समझ से परे हैं।

हुमा कुरैशी ने बताया-

क्या है उनके काम का मंत्र

अभिनेत्री हुमा कुरैशी की अपकमिंग वेब सीरीज 'महारानी' का चौथा सीजन जल्द ही शुरू होने वाला है। इस बीच कुरैशी ने बताया कि काम को लेकर उनका मंत्र क्या है? हुमा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी बालकनी से एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में वह हरियाली के बीच दिखाई दीं। पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, शांत से काम। हाल ही में हुमा ने खुलासा किया था कि उन्होंने 'महारानी' के चौथे सीजन पर काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें अभिनेत्री ब्लैक स्वेटशर्ट पहने नजर आईं। उन्होंने कैप्शन में लिखा था, महारानी वापस आ गई है। राजनीतिक-मनोरंजक सीरीज 'महारानी' में हुमा ने मुख्य भूमिका निभाई है। बिहार की पृष्ठभूमि पर बनी वेब सीरीज 'महारानी' के चौथे सीजन का टीजर निर्माताओं ने हाल ही में जारी किया। दमदार डायलॉग्स से भरे टीजर के जरिए 'रानी भारती' की दमदार वापसी देखने को मिली। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक सीरीज के रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है।

महारानी का पहला सीजन साल 2021 में सोनी लिव पर आया था। इस सीरीज में अभिनेत्री हुमा कुरैशी के किरदार रानी भारती पर नजर डालें तो वह एक साधारण और अनपढ़ गृहिणी के किरदार में हैं, जिसे अचानक से राजनीति में कदम रखना पड़ता है। वह अपने पति भीमा के चोटिल होने के बाद बिहार की मुख्यमंत्री बनती हैं। सीरीज में हुमा के पति का किरदार अभिनेता सोहम शाह ने निभाया है। सीरीज का दूसरा सीजन जुलाई 2022 में आया, वहीं तीसरा सीजन 2024 में आया था। महारानी 4 की कहानी को उमाशंकर सिंह ने सुभाष कपूर और नंदन सिंह के साथ मिलकर लिखा है। निर्माण सुभाष कपूर ने किया है और निर्देशक सौरभ भावे हैं। सीरीज में हुमा कुरैशी के साथ अमित सियाल, विनीत कुमार, कनी कुसरुति, अनुजा साठे, सुशील पांडे, दिव्येंदु भट्टाचार्य, सोहम शाह और प्रमोद पाठक भी अहम भूमिकाओं में हैं।

जावेद अख्तर ने की थी आमिर खान के सुपरस्टार बनने की भविष्यवाणी

मुंबई में जावेद अख्तर और आमिर खान ने साथ मिलकर फिल्म फेस्टिवल आमिर खान- सिनेमा का जादूगर का ट्रेलर लॉन्च किया। यह खास फिल्म फेस्टिवल 14 मार्च, यानी आमिर खान के जन्मदिन से शुरू होकर 27 मार्च तक चलेगा। इस दौरान उनकी कुछ आइकॉनिक फिल्में फिर से बड़े पर्दे पर दिखाई जाएंगी, जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होंगी। इस दौरान जावेद अख्तर ने आमिर खान से जुड़ी कई दिलचस्प बातों का खुलाया किया।

जावेद अख्तर की भविष्यवाणी

जावेद अख्तर ने इस कार्यक्रम के दौरान आमिर खान की जमकर तारीफ की और कहा, मैंने पहले भी अपनी गर्दन पर दांव लगाया है और सही साबित हुआ हूं। अमिताभ के फ्लॉप होने के बाद मैंने भविष्यवाणी की थी कि आमिर सुपरस्टार बनेंगे। आगे जावेद अख्तर ने आमिर की प्रशंसा करते हुए कहा, आज मैं भविष्यवाणी कर रहा हूं कि आमिर खान की वो फिल्म जो सबको कनेक्ट करेगी वो सुपरहिट होगी।

जावेद ने बनाई थी लगान की लिस्ट

आमिर का जादू ही है कि उन्होंने अपनी अलग तरह की कई फिल्मों पर पैसा लगाया है। जावेद अख्तर ने आमिर के बारे में कहा, मैंने उनसे पूछा कि लगान क्यों नहीं करते। बहुत समझाने की कोशिश की। एक लिस्ट भी बनाई कि क्या-क्या गलतियां हैं। फिर इस लिस्ट के साथ लगान की स्क्रिप्ट तैयार की। इस लिस्ट में गांव का हीरो, हीरो धोती पहनेगा, फिल्म में क्रिकेट होगा और फिल्म के गानों में बारिश होगी या नहीं। यह सब कुछ होगा। जावेद ने आगे कहा, जब मैंने लगान का पहला कट देखा तो मैं दंग रह गया।

'कई लोग मुझे इंडस्ट्री से निकालना चाहते थेः गोविंदा

गोविंदा ने एक बार फिर बॉलीवुड इंडस्ट्री को लेकर कई खुलासे किए हैं। उनका मानना है कि इंडस्ट्री में उनके खिलाफ साजिश रची गई। जानिए अभिनेता ने और क्या कुछ कहा। बॉलीवुड के हीरो नंबर 1 गोविंदा पिछले लंबे वक्त से बड़े पर्दे से गायब हैं। हाल ही में उनकी कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई है। इस दौरान गोविंदा सिर्फ रियलटी शोज में ही नजर आए हैं। एक हालिया बातचीत में गोविंदा ने इंडस्ट्री के अपने अनुभवों के बारे में बताया। इस दौरान अभिनेता ने कहा कि इंडस्ट्री में कई लोगों ने उनकी इमेज को जानबूझकर खराब करने का काम किया और उन्हें इंडस्ट्री से बाहर करना चाहते थे।

100 करोड़ की फिल्म छोड़ने पर खुद को मारे थप्पड़

एक यूट्यूब चैनल के साथ बातचीत में 'पार्टनर' फिल्म के अभिनेता ने उनको लेकर चलाई जाने वाली खबरों के बारे में बात करते हुए कहा, जब वे लिख रहे थे कि मेरे पास काम नहीं है, तो मैंने 100 करोड़ रुपये की फिल्म छोड़ दी थी। हालांकि, बाद में मैं खुद को आईने में देख रहा था और थप्पड़ मार रहा था कि क्यों मैंने ये फिल्म छोड़ी। मैंने खुद से कहा, 'तुम पागल हो गए हो, उस पैसे से तुम अपनी जिंदगी चला सकते थे।' फिल्म में वही भूमिका थी जो इन दिनों चल रही है। हालांकि, खुद के साथ ईमानदार होना और अपनी अंतरआत्मा की बात सुनना बहुत जरूरी है।

मेरे खिलाफ की गईं साजिशें

बातचीत के दौरान अभिनेता ने पिछले दिनों को याद करते हुए कहा, उस वक्त जानबूझकर मेरी बदनामी की गई, मेरी छवि को खराब करने का प्रयास किया गया। वे मुझे फिल्म इंडस्ट्री से हटाना चाहते थे। मैं समझ गया था कि मैं एक अशिक्षित व्यक्ति हूं और पढ़े-लिखे लोगों के बीच आ गया हूं और वे मुझे हटाना चाहते थे। मैं उनका नाम खराब नहीं कर सकता, लेकिन मुझे नहीं पता था कि वे किस हद तक जाएंगे।

IIFA 2025:

इम्तियाज अली ने जीता सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का खिताब

राजस्थान के जयपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार में विजेताओं की घोषणा हो चुकी है। 'अमर सिंह चमकीला' के लिए इम्तियाज अली को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का सम्मान मिला, जबकि 'पंचायत सीजन 3' को सर्वश्रेष्ठ सीरीज का खिताब दिया गया।

आईफा 2025 में करण जौहर के साथ ही करीना कपूर, शाहिद कपूर, बॉबी देओल, उर्फी जावेद, करिश्मा तन्ना, कार्तिक आर्यन समेत कई फिल्मी सितारे भी शामिल हुए। 'दो पत्ती' के लिए कृति सेनन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब मिला। वहीं, 'सेक्टर 36' के लिए विक्रांत मैसी ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब अपने नाम किया। इम्तियाज अली को 'अमर सिंह चमकीला' के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशन का खिताब मिला। सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का खिताब 'बर्लिन' के लिए अनुप्रिया गोयनका को मिला है। सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का खिताब 'सेक्टर 36' के लिए दीपक डोबरियाल को मिला। 'पंचायत सीजन 3' ने सर्वश्रेष्ठ सीरीज का पुरस्कार अपने नाम किया तो सर्वश्रेष्ठ फिल्म कहानी ओरिजनल 'दो पत्ती' के लिए कनिका ढिल्लों को मिला। सीरीज में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का खिताब 'बंदिश बैंडिट्स सीजन 2' के लिए श्रेया चौधरी को और अभिनेता का पुरस्कार जितेंद्र कुमार को 'पंचायत सीजन 3' के लिए मिला।

'ट्रोलर्स के लिए महिलाएं सबसे आसान निशाना होती हैं': राम्या

हाल ही में साउथ एक्ट्रेस राम्या अपने पिता के बारे में बात करते हुए भावुक हो गई। साथ ही उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य से निपटने के लिए विपश्यना योग का सहारा लिया। आइए जानते हैं अभिनेत्री ने एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का क्यों किया जिक्र?

पूर्व लोकसभा सांसद और अभिनेत्री राम्या कृष्णन ने एक कार्यक्रम के दौरान अपने अनुभवों को साझा किया। इसमें एक्ट्रेस अपनी मानसिक स्थितियों का जिक्र करते हुए भावुक हो गई। उन्होंने कहा कि लोगों को समझना चाहिए कि महिलाएं किन परिस्थितियों से गुजर रही हैं।

कन्नड़ अभिनेत्री राम्या कृष्णन हाल ही में बैंगलुरु अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान अपने मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा करते हुए भावुक हो गई। उन्होंने कहा कि 2013 में अपने पिता आर.टी. नारायण के निधन के बाद वह पूरी तरह टूट चुकी थी। इस दुख को वो सहन नहीं कर पा रही थी। इससे निपटने के लिए उन्होंने बहुत प्रयास किए। एक्ट्रेस ने कहा कि विपश्यना योग के जरिए उनको मानसिक स्वास्थ्य से निपटने में सहायता मिली। अभिनेत्री ने अपनी तुलना बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण से की, क्योंकि वह भी अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर हमेशा से मुखर रही हैं।

लेडी गागा का खुलासा

मानसिक स्वास्थ्य ने मुझे कमजोर बना दिया

लॉस एंजेलिस। अभिनेत्री-गायिका लेडी गागा ने बताया है कि पांच साल पहले उन्हें मनोविकृति का अनुभव हुआ था। रिपोर्ट के अनुसार, 38 वर्षीय गायिका और अभिनेत्री ने न्यूयॉर्क टाइम्स के द इंटरव्यू पॉडकास्ट पर अपने मानसिक स्वास्थ्य संघर्ष के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह कुछ समय के लिए वास्तविकता से कट गई थीं। हालांकि, उन्होंने अपने अब के मंगेतर माइकल पोलांस्की के साथ इस कठिन समय से उपजे एक विशेष पल के बारे में भी बात की। 'पोकर फेस' गायिका ने बताया कि पांच साल पहले, मुझे मनोविकृति हुई थी। मैं कुछ समय के लिए वास्तविकता से गहराई से जुड़ी नहीं थी। इसने मुझे जीवन से पूरी तरह से दूर कर दिया, और कई सालों की कड़ी मेहनत के बाद मैंने खुद को वापस पाया। उन्होंने बताया कि माइकल से मिलना उनके लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उन्होंने बताया कि यह एक कठिन समय था और वास्तव में यह बहुत खास था जब मैं अपने साथी से मिली, क्योंकि जब मैं माइकल से मिली, तो मैं बहुत बेहतर स्थिति में थी, लेकिन मुझे याद है कि उन्होंने मुझसे बहुत पहले कहा था, मुझे पता है कि तुम जितनी खुश हो, उससे कहीं अधिक खुश हो सकती हो। सप्ताह की शुरुआत में अपना सातवां स्टूडियो एल्बम रिलीज करने वाली लेडी गागा ने स्वीकार किया कि ये शब्द सुनना चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने कहा कि मेरे लिए उसे यह कहते हुए सुनना वाकई मुश्किल था, क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि वह मेरे बारे में ऐसा सोचे। मैं चाहती थी कि वह मुझे एक खुशमिजाज़, पूरी तरह से एकजुट व्यक्ति की तरह समझे।

बिटिया की प्रेग्नेंसी पर सुनील शेट्टी ने दी प्रतिक्रिया

सुनील शेट्टी जल्द नाना बनेंगे। उनकी बिटिया और अभिनेत्री अथिया शेट्टी प्रेग्नेंट हैं। वे और केएल राहुल जल्द अपनी पहली संतान का स्वागत करेंगे। दोनों के घर में नन्हे मेहमान के स्वागत की तैयारी हो रही हैं। अभिनेता सुनील शेट्टी ने हाल ही में अथिया की प्रेग्नेंसी को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि अथिया एक बहुत शानदार मां साबित होंगी। सुनील शेट्टी नाना बनने वाले हैं। हाल ही में एक इवेंट में उन्होंने अपनी जिंदगी की इस एक नई भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने कहा, अथिया एक खूबसूरत और शानदार मां बनेंगी।

मानुषी छिल्लर ने बताया क्यों व्यावहारिकता शोबिज़ में मायने रखती है

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर की मेडिकल फील्ड से फिल्मों तक की यात्रा प्रेरणादायक रही है। वह मानती हैं कि ग्लैमर की दुनिया एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है, जिसमें सच्चा जुनून और प्रतिबद्धता आवश्यक है। आपको इसे वास्तव में पूरे मन से चाहना होगा। मनोरंजन उद्योग में केवल प्रतिभा ही काफी नहीं होती, बल्कि इसके लिए अटूट समर्पण, धैर्य और मानसिक मजबूती भी जरूरी होती है। बॉलीवुड में बिना किसी फिल्मी कनेक्शन के कदम रखने वाली मानुषी नए कलाकारों को करियर के फैसले सोच-समझकर लेने की सलाह देती हैं। वह जल्दबाजी में कोई भी बड़ा फैसला लेने, जैसे कि बिना किसी योजना के नई जगह शिफ्ट होने या शून्य से शुरुआत करने से बचने की सलाह देती हैं। इसके बजाय, वह बैकअप प्लान रखने पर जोर देती हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो मनोरंजन उद्योग में नए हैं। मानुषी के अनुसार, फिल्मों में सफलता का सफर अनिश्चितताओं से भरा होता है और यहां प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी होती है। वह मानती हैं कि प्रतिभा और कड़ी मेहनत जितनी जरूरी है, उतनी ही महत्वपूर्ण वित्तीय और मानसिक स्थिरता भी होती है। यह स्थिरता कलाकारों को हड़बड़ी में जोखिम उठाने के बजाय सोच-समझकर फैसले लेने में मदद करती है। मैं कभी भी यह सलाह नहीं दूंगी कि बिना किसी योजना के सबकुछ छोड़कर फिल्म इंडस्ट्री में आ जाएं।

रोड, मूवी री-रिलीज पर बोले अभय देओल-

मैं कुछ नया, कुछ अलग ढूंढ रहा था

अभय सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं। इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़ा एक वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक फिल्म जो मैंने अपने करियर के शुरुआती वर्षों में की थी। फिल्म में मैं अपने किरदार की तरह ही, कुछ नया, कुछ अलग, कुछ रोमांचक खोज रहा था। अभिनेता ने दर्शकों से फिल्म देखने की अपील भी की। उन्होंने कहा, 'रोड, मूवी फिर से सिनेमाघरों में चल रही है। अगर आप कुछ ऐसा देखना चाहते हैं जो आज भी मुख्यधारा की कहानी को उसी तरह चुनौती देती है जैसे 15 साल पहले देती थी, तो फिल्म खत्म होने से पहले सिनेमाघरों में जाकर देख डालिए! देव बेनेगल के निर्देशन में बनी रोड, मूवी का प्रीमियर 2009 के टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में हुआ था। अभय देओल, तनिष्ठा चटर्जी और दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक के अलावा फिल्म में मोहम्मद फैजल, यशपाल शर्मा, वीरेंद्र सक्सेना भी अहम भूमिकाओं में हैं। कहानी विष्णु के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने परिवार के हेयर ऑयल के व्यवसाय से बचना चाहता है। अभय की बन टिक्की का हाल ही में कैलिफोर्निया में प्रतिष्ठित 36वें पाम स्प्रिंग्स अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में ग्लोबल प्रीमियर हुआ। फराज आरिफ अंसारी के निर्देशन में बनी फिल्म शानू नामक सात साल के बच्चे और उसके पिता की कहानी है। फिल्म में अभय देओल के साथ जीनत अमान, शबाना आजमी, नुसरत भरुचा और रोहन सिंह भी अहम भूमिकाओं में हैं। परिवार, प्रेम और रिश्तों की कहानी में बुनी फिल्म बन टिक्की सामाजिक दबावों की कहानी को मनोरंजक अंदाज में पर्दे पर उतारती है।

अभिनेता अभय देओल की साल 2010 में रिलीज फिल्म 'रोड, मूवी' एक बार फिर से सिनेमाघरों में आ चुकी है। इस मौके पर एक्टर ने एक पोस्ट शेयर कर अपने जज्बात बयां किए। उन्होंने दर्शकों से फिल्म देखने की अपील भी की।

साभार एजेंसी